वर्ष : 17 अंक: 94 आगरा • गुरूवार 17 जुलाई 2025 • पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रु.

उत्तरप्रदेश ,मध्यप्रदेश,छत्तीसगढ़,नई दिल्ली व राजस्थान से एक साथ प्रकाशित

सांध्य पहल

उत्तरप्रदेश में सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला हिन्दी दैनिक

आज का तापमा
अधिकतम 28 डिग्री
न्यूनतम 26 डिग्री

कल के हथियारों से आज की जंग नहीं जीत सकते: CDS बोले- विदेशी टेक्नोलॉजी पर निर्भरता हमें कमजोर बना रही

स्वदेशी एडवांस टेक्नोलॉजी जरूरी

नई दिल्ली (ए.)।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) जनरल अनिल चौहान ने बुधवार को कहा कि हम कल के हथियारों से आज की लड़ाई नहीं जीत सकते। उन्होंने कहा विदेश से इम्पोर्ट की गई टेक्नोलॉजी पर निर्भरता हमारी युद्ध तैयारियां कमजोर करती है। CDS ने कहा कि यह हमें कमजोर बना रही है। ऑपरेशन सिंदूर ने हमें दिखाया कि हमारे लिए स्वदेशी C-UAS (काउंटर-अनमैंड एरियल सिस्टम) यानी एंटी ड्रोन सिस्टम क्यों जरूरी है। हमें अपनी सुरक्षा के लिए इन्वेस्टमेंट करना होगा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान

पाकिस्तान ने अनआर्म्ड ड्रोन्स का इस्तेमाल किया। अधिकतर ड्रोन्स मार गिराए गए। ये हमारे किसी भी मिलिट्री या सिविल इन्फ्रास्ट्रक्चर को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सके। CDS ने ये बातें दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में UAV (अनमैंड एरियल व्हीकल) और C-UAS (काउंटर-अनमैंड एरियल सिस्टम) की प्रदर्शनी में कहीं।

CDS बोले- सेना ने ड्रोन्स का क्रांतिकारी इस्तेमाल किया युद्ध में ड्रोन के इस्तेमाल पर जनरल चौहान ने कहा- मुझे लगता है कि ड्रोन्स इवॉल्यूशनरी (विकासवादी) हैं और युद्ध में उनका इस्तेमाल बहुत क्रांतिकारी रहा है। जैसे-जैसे उनकी तैनाती और दायरा बढ़ा, सेना ने क्रांतिकारी तरीके से ड्रोन का इस्तेमाल किया। हमारे लड़े गए कई युद्धों में आपने यह देखा है। उन्होंने कहा- हम इम्पोर्टेड टेक्नोलॉजी पर निर्भर नहीं रह सकते, क्योंकि यह हमारे युद्ध और डिफेंस ऑपरेशन के लिए महत्वपूर्ण हैं।

विदेशी तकनीकों पर निर्भरता हमारी तैयारियों को कमजोर करती है। उत्पादन बढ़ाने

लद्दाख में मिनी बस खाई में गिरी, 2 की मौत: 8 गंभीर रूप से घायल

नई दिल्ली लद्दाख के कारगिल जिले के गुमरी में बुधवार सुबह मिनी बस खाई में गिर गई। हादसे में 2 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 8 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। अन्य 6 को हल्की चोटें आई हैं। वाहन चालक हादसे में सुरक्षित बच गया है। मिनी बस में 17 यात्री सवार थे और द्रास की ओर जा रही थी, जब अचानक रास्ते में वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और राहत टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और हादसे के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

बंगालियों से भेदभाव पर ममता का पैदल मार्च कहा-BJP बंगाली बोलने वालों को परेशान कर रही

सुवेंदु बोले- ये अवैध घुसपैठियों को बचाने की कोशिश

कोलकाता (ए.)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को भाजपा शासित राज्यों में बंगाली बोलने वाले लोगों के साथ हो रहे कथित उत्पीड़न के खिलाफ विरोध मार्च निकाला। ममता ने कहा कि बंगालियों के प्रति भाजपा के रवैये से मैं शर्मिंदा और निराश हूं। अब से मैंने तय किया है कि मैं बांग्ला में ज्यादा बोलूंगी। अगर आप मुझे डिटेंशन कैंप में रखना चाहते हैं तो रखें। यह रैली कोलकाता के कॉलेज स्क्वायर से धर्मतला के दोरीना क्रॉसिंग तक निकाली गई। इसमें अभिषेक बनर्जी समेत पार्टी के कई बड़े नेता इस रैली में शामिल हुए। कोलकाता के अलावा पार्टी ने राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में भी इसी मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किया। यह ऐसे समय पर हो रहा है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य के दौरे पर आने वाले हैं।

ममता बोलीं- अब से ज्यादा से ज्यादा बांग्ला बोलूंगी

CM ममता ने कहा, मैं आपको (बीजेपी) चैलेंज करती हूं कि साबित कीजिए कि बांग्ला बोलने वाले प्रवासी लोग रोहिंग्या मुसलमान हैं। बंगाल के 22 लाख प्रवासी श्रमिक देश के अ हिस्सों में काम कर रहे हैं, उन पास वैध पहचान दस्तावेज हैं। बंगालियों पर अत्याचार बर्दा नहीं करूंगी। भाजपा शासि राज्यों में बांग्ला भाषी लोगों बांग्लादेशी और विदेशी कहक प्रताड़ित और जेल और डिटेंश

अदालतों में टॉयलेट की कमी पर सुप्रीम कोर्ट नाराज: 20 हाईकोर्ट से 8 हफ्ते में रिपोर्ट मांगी

पुरुष-महिला, दिव्यांग, ट्रांसजेंडर्स के लिए अलग टॉयलेट्स के निर्देश

नई दिल्ली (ए.)।

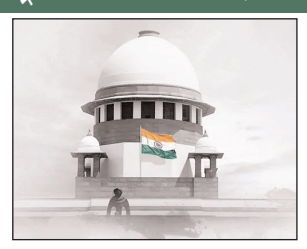

देश की अदालतों में टॉयलेट जैसी बुनियादी सुविधा की हालत पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। बुधवार को कोर्ट ने नाराजगी जताई कि देश के 25 में से 20 हाईकोर्ट ने अब तक ये नहीं बताया कि उन्होंने टॉयलेट की सुविधा सुधारने के लिए क्या कदम उठाए हैं? सुप्रीम कोर्ट ने 15 जनवरी 2025 को सभी हाईकोर्ट, राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया

था कि हर अदालत में पुरुष, महिला, दिव्यांग और ट्रांसजेंडर्स के लिए अलग-अलग टॉयलेट होने चाहिए। उचित स्वच्छता पाना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत एक मौलिक अधिकार है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन ने आज सुनवाई के दौरान सभी हाईकोर्ट को रिपोर्ट पेश करने के लिए 8 हफ्ते का समय दिया। सुप्रीम कोर्ट ने चेतावनी दी है कि अगर इस बार रिपोर्ट नहीं आई तो हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को खुद सुप्रीम कोर्ट में हाजिर होना पड़ेगा। यह मामला वकील राजीब कलिता की एक जनहित याचिका से शुरू हुआ, जिसमें उन्होंने अदालतों में टॉयलेट की खराब स्थिति का मुद्दा उठाया है।

राहुल बोले- जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिले: पीएम मोदी को लेटर लिखा

कहा- मानसून सत्र में बिल लाया जाए

नई दिल्ली (ए.)।

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की मांग की है। राहुल ने PM मोदी को लेटर लिखकर कहा कि, संसद के आगामी मानसून सत्र में जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए बिल लाया जाए। राहुल ने अपने लेटर में प्रधानमंत्री मोदी के पुराने दो बयानों का भी जिक्र किया। जब पीएम ने 19 मई 2024 को भुवनेश्वर में और 19 सितंबर 2024 को श्रीनगर की रैली में

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाने की बात कही थी। इसके अलावा राहुल ने सरकार से लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने के लिए कानून लाने का भी अनुरोध किया।

दिल्ली के 5 स्कूलों में बम की धमकी: 3 दिन में 1 स्कूलों और एक कॉलेज को आया धमकी भरा मे

नई दिल्ली (ए.)। दिल्ली में बुधवार को लगातार तीसरे दिन ईमेल के जरिए स्कूलों को बम की धमकी दी गई है। धमकी मिलते ही सभी स्कूलों को एहतियातन खाली करा लिया गया। पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया और बम स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड और फायर ब्रिगेड की मदद से सर्च ऑपरेशन चलाया गया। फिलहाल अब तक

किसी भी स्थान से कोई विस्फोटक या संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है, हालांकि, जांच अभी जारी है। जिन स्कूलों को ईमेल मिला उनमें थॉमस स्कूल (द्वारका), वसंत स्कूल (वसंत कुंज), इंटरनेशनल स्कूल (हौज ख रिचमंड ग्लोबल स्कूल (प विहार) और सरदार पटेल विद्य (लोदी एस्टेट) शामिल हैं। इ अलावा दिल्ली यूनिवर्सिटी के स्टीफन्स कॉलेज को भी ध भरा मेल भेजा गया।

महाराष्ट्र में महिला ने पुलिस अधिकारियों को हनीट्रैप में फंसाया: रेप के आरोपों की धमकी देकर 40-40 लाख लूटे

बड़े सरकारी अफसर निशाने पर थे

मुंबई (ए.)।

महाराष्ट्र के ठाणे में एक महिला पर हनीट्रैप में फंसाकर करोड़ों रुपए ऐंठने का आरोप लगा है। उसने कई पुलिसवालों दूसरे सरकारी कर्मचारियों को अपना शिकार बनाया है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, ठाणे के दो बड़े पुलिस अफसर (ष्टक्क) ने इस महिला के

खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि महिला ने उन पर झूठे बलात्कार के आरोप लगाने की धमकी देकर उनसे 40-40 लाख रुपए मांगे थे। जब इस मामले की जांच शुरू हुई, तो पता चला कि यह सिर्फ दो अफसरों का मामला नहीं है, कई और सरकारी अधिकारियों को निशाना बनाया गया है। यह महिला पहले भी 2016 में उगाही के एक मामले में पकड़ी गई थी। जांच में सामने आया कि आरोपी महिला खुद को एक जरूरतमंद महिला पुलिसकर्मी या होमगार्ड बताती थी। फिर वह इसी बहाने कई द्बक्क अफसरों, एक्साइज के अधिकारियों सहित बड़े सरकारी कर्मचारियों को निशाना बनाती थी। अधिकारियों का कहना है कि अभी कई और मामलों की जांच चल रही है और हो सकता है कि और भी पीड़ित सामने आएं।

महाराष्ट्र विधानसभा में लुंगी-बनियान पहनकर पहुंचे विपक्ष के विधायक

गायकवाड़ ने केंटीन कर्मचारी को थप्पड़ मारा था

मुंबई (ए.)।

महाराष्ट्र विधानसभा के बाहर बुधवार को एक अनोखा विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। महाविकास आघाड़ी (रूक्क) के विधायकों ने 'लुंगी-बनियान' पहनकर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन शिवसेना (शिंदे गुट) के विधायक संजय गायकवाड़ द्वारा विधायक हॉस्टल की कैंटीन के कर्मचारी से मारपीट के खिलाफ किया गया। शिवसेना (उद्धव गुट)

शिवसेना MLA के खिलाफ किया प्रदर्शन

के विधान परिषद में नेता अंबादास दानवे, एनसीपी (शरद पवार गुट) के विधायक जीतेन्द्र आव्हाड समेत कई विपक्षी नेता इस प्रदर्शन में शामिल हुए। सभी ने अपने पारंपरिक कपड़ों के ऊपर बनियान और तौलिया (लुंगी की तरह) पहनकर 'गुंडा राज' के खिलाफ नारेबाजी की। अंबादास दानवे ने कहा कि जब विधायक कैंटीन में ही मारपीट कर रहे हैं, तो इससे साफ है कि सरकार ऐसे तत्वों को संरक्षण दे रही है। इससे पहले सीएम देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे भी विधायक की आलोचना कर चुके हैं। शिवसेना (शिंदे गुट) विधायक संजय गायकवाड़ ने 8 जुलाई को खाने की क्वालिटी सही नहीं मिलने पर मुंबई के आकाशवाणी विधायक गेस्ट हाउस के केंटीन स्टाफ के साथ मारपीट की थी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। मामले को लेकर विध संजय गायकवाड़ ने कहा- वहां की क्वालिटी अच्छी नहीं थी। अपने किए पर कोई पछतावा है।

CM फडणवीस बोले- विधाय की प्रतिष्ठा धूमिल हुई

महाराष्ट्र विधान परिषद शिवसेना (क्ष्ज्ञ) विधायक अ परब ने संजय गायकवाड़ के वी का मुद्दा उठाया। उन्होंने सरकार राजनीतिक मनमानी का अ लगाया। इस पर ष्टरूफडणवीस जुलाई को सदन में कहा, इस का आचरण सही संदेश नहीं

प्राचीन सभ्यताओं के संवाहक हैं भारत और स्पेन, अब औद्योगिक विकास में करेंगे साझेदारी : मुख्यमंत्री

स्पेन के निवेशकों को देंगे वर्ल्ड क्लास सुविधाएं

बेहिचक म.प्र. से जुड़िए और हमारी 18 हाईटेक औद्योगिक नीतियों का लाभ लें

निवेश के लिए बढ़ाया गया हर कदम व्यापार-व्यवसाय में होगा मील का पत्थर साबित

म.प्र. में हर सेक्टर में हैं बड़ी संभावनाएं

मध्यप्रदेश निवेशकों को केपिटल रिटर्न देने में पीछे नहीं रहेगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मैड्रिड में इन्वेस्ट इन एमपी बिजनेस फोरम मीट में संबोधन

भोपाल (ए.)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत और स्पेन दो प्राचीन सभ्यताओं के संवाहक हैं। दोनों देशों ने नैतिक मूल्यों के आधार पर अपनी पुरा संस्कृति को आगे बढ़ाया है। दोनों देश जुड़वा भाईयों की तरह हैं। अब विकास के मामले में भी हम मिलकर आगे बढ़ेंगे। संस्कृति के साथ-साथ तकनीक में भी स्पेन की एक अलग ही पहचान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को स्पेन की राजधानी मैड्रिड में इन्वेस्ट इन एमपी बिजनेस फोरम मीट को संबो?धित कर रहे थे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश भारत का सबसे तेजी से विकासशील प्रदेश है। यहां निवेश करना नि:संदेह फायदे का सौदा है। उन्होंने निवेशकों को मध्यप्रदेश की बेजोड़ खूबियां बताते हुए कहा कि यदि आप भारत में निवेश करने की सोच रहे हैं, तो एक बार मध्यप्रदेश अवश्य आइये, मध्यप्रदेश को भूल नहीं पाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में खनिज, पर्यटन, बड़े उद्योग, फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री, तकनीकी विकास से जुड़े उद्योग स्थापित करने की अपार संभावनाएं हैं। भारत में एमपी टूरिज्म सबसे तेजी बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में भरपूर भू-संपदा उपलब्ध है, जिसमें नई तकनीक का इस्तेमाल करने से विकास की अपार संभावनाएं हैं। मध्यप्रदेश, भारत के मध्य क्षेत्र में स्थित है, इसलिए हम लॉजिस्टिक सेक्टर में अग्रणी बनने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। अगर आप भारत के किसी और राज्य में भी उद्योग स्थापित करते हैं, तब भी आपको मध्यप्रदेश की आवश्यकता जरूर पड़ेगी। मध्यप्रदेश आंतरिक सड़कों, नेशनल हाईवेज, रेल और हवाई मार्ग से देश-विदेश से जुड़ा है। मध्यप्रदेश सभी सेक्टर्स में तेजी से आगे बढ़ने वाला भारत का राज्य बना है। हम अपने देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में भी अपनी भूमिका बखूबी निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में फूड प्रोसेसिंग, सोलर एनर्जी, विंड एनर्जी, एग्री बेस्ड इंडस्ट्री और टेक्सटाईल सेक्टर में बड़ी संभावनाएं हैं। हम सभी सेक्टर्स में यहां आने वाले निवेशकों को वर्ल्ड क्लास सुविधाएं देने की क्षमता रखते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों से आग्रह किया कि सुरक्षित निवेश के लिए आप बेहिचक मध्यप्रदेश से जुड़िए। हमारी 18 प्रकार की हाईटेक औद्योगिक नीतियों का लें। मध्यप्रदेश निवेशकों को केपिटल देने में पीछे नहीं रहेगा। उन्होंने बताय मध्यप्रदेश की विकासशीलता ने प्रधानमं नरेन्द्र मोदी को भी प्रभावित किया मध्यप्रदेश में निवेश करने पर भारत सरका ओर से भी देशी-विदेशी निवेशकों को तरह की रियायतें दी जा रही हैं। मुख्यमं यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में मेडि कॉलेजेस की संख्या भी तेजी से बढ़ाई ज है और नई मेडिकल डिवाईसेस के लिए और विदेशी कंपनियां यहां निवेश कर रह अब मध्यप्रदेश में मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा मिल रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्पे शांतिप्रियता, सामुदायिक विकास, तकनी इस्तेमाल और फुटबॉल प्रेम ने भी यह अर्थव्यवस्था को बेहद मजबूत किया है। उ कहा कि स्पेन आर्थिक व्यापार के माम भारत का छठा सबसे बड़ा साझेदार है। व में स्पेन के साथ 9.32 बिलियन डॉल व्यापार हो रहा है। उन्होंने कहा कि स्पे निवेशकों द्वारा मध्यप्रदेश में निवेश के बढ़ाया गया हर एक कदम व्यापार-व्य के विकास में मील का पत्थर साबित हो

सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पर जानलेवा हमले का आरोपः आगरा के ताजगंज थाना में एफआईआर दर्ज

पार्टी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष ने लगाया आरोप

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष सत्यभान यादव ने पूर्व जिलाध्यक्ष राम सहाय यादव सहित 4 लोगों पर जानलेवा हमला कराने और धमकाने का आरोप लगाया है।

इस मामले में थाना ताजगंज में एफआईआर दर्ज हो गई है। पीड़ित का कहना है कि खेत पर अज्ञात हमलावरों ने हमला कर धमकी दी। पूर्व जिला उपाध्यक्ष ने मोबाइल और सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकियां मिलने का आरोप लगाया है। उन्होंने पुलिस आयुक्त से सुरक्षा की गुहार लगाई है।

इनके खिलाफ एफआईआर

थाना ताजगंज अंतर्गत बुढ़ाना निवासी सत्यईभान यादव इस मामले में पुलिस आयुक्त दीपक कुमार को प्रार्थना पत्र दिया था। इसके बाद थाना ताजगंज में सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष राम सहाय यादव, लखेंद्र यादव उर्फ लख्खो, पवन यादव सहित 4 अन्य अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

दो अलग अलग नंबरों से दी धमकी

पीड़ित का कहना है कि व्हाटसअप काल के जरिये जान से मारने की धमकी दी जा रही है। 8 जुलाई को दो बार व्हाटसअप काल के जरिये धमकी दी गई। दोनों बार अलग अलग मोबाइल नंबर का प्रयोग किया गया। इसके बाद आरोपियों ने लगातार मुझे काल करके गंदी गंदी गालियां दीं।

10 जुलाई को किया हमला

10 जुलाई की शाम को खेत गया तो वहां चार अज्ञात लोगों ने मुझे पकड़ लिया। उनके मुंह कपड़े से ढके हुए थे। मुझे मारने पीटने लगे। सत्यभान ने आरोप लगाया कि हमलावर कर रहे थे कि तू रामसहाय यादव के सामने राजनीति करेगा।

अखिलेश यादव से शिकायत पर हुई रार

सूत्रों की मानें तो पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से गुटबाजी को लेकर शिकायत की थी। इसके बाद सभी जिले और महानगर की कमेटियों को भंग किया गया था। नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच इसको लेकर कई दिनों से गुटबाजी चल रही है। कुछ नेताओं के बीच अपने चाहतों को चुनाव लड़ाने का लालच दिया गया है और इसके कारण भी मनमुटाव हो गए हैं।

शराब सेल्समैन से 1.60 लाख की लूट : बाइक सवार बदमाशों ने तमंचा तान कर रुपए से भरा बैग लूटा

तमंचे के बल पर बाइक सवारों ने लूटा बीयर ठेके का कैश, 1.60 लाख लेकर फरार

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। इरादत नगर थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात बाइक सवार बदमाशों द्वारा बीयर ठेके के सेल्समैन से रुपयों से भरा बैग लूट लिए जाने के मामले में पुलिस हाईवे पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर लुटेरों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। घटना उस समय हुई जब ठेका बंद कर सेल्समैन घर लौट रहा था। बदमाशों ने फिल्मी अंदाज में बाइक रोक कर तमंचा तान दिया और लाल रंग का पिट्ठू बैग छीनकर फरार हो गए। बताया गया है कि बैग में करीब 1.60 लाख रुपये नकदी थी। घटना आगरा-ग्वालियर हाईवे पर कुर्राचित्तरपुर मोड़ के आगे हुई, जहां इंग्लिश बीयर कंपोजिट दुकान स्थित है। पीड़ित धर्मेंद्र पुत्र कंचन सिंह, निवासी गढ़ी उददा, ने पुलिस को बताया कि रात करीब 10 बजे जब वह ठेका बंद कर अपने घर के लिए निकला, तभी पीछा करते हुए दो बाइक सवार बदमाश आए। उन्होंने बाइक आगे लगाकर रास्ता रोका, तमंचा दिखाया और बैग छीन लिया। इसके बाद बदमाश कुर्रा मोड़ की ओर से ग्वालियर हाईवे पर फरार हो गए। धर्मेंद्र ने तत्काल डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। कुछ ही देर में एसीपी गिरीश कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए और पीड़ित से घटना की विस्तृत जानकारी ली। घटनास्थल पर छानबीन जारी है। पुलिस ने हाईवे पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है और नाकाबंदी कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस को आशंका है कि वारदात में किसी जानकार की भूमिका हो सकती है, क्योंकि ठेके से निकलते ही कुछ ही दूरी पर घटना को अंजाम दिया गया। स्थानीय स्तर पर भी कुछ संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। नाकाबंदी कराने के साथ संदिग्ध वाहनों की चेकिंग भी कराई गई थी।

सीएचसी में घायल महिला को नहीं मिला बेडः जगनेर में हाथों में पटिटयां बंधी जमीन पर लेटी रह

स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली उजागर, जगनेर सीएचसी में घायल महिला जमीन पर लिटा दी

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्थाओं पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। आगरा के जगनेर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें सड़क हादसे में घायल एक महिला को जमीन पर लेटे हुए देखा जा सकता है। वीडियो सामने आने के बाद आमजन में नाराजगी है और स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली पर लोगों ने तीखी प्रतिक्रियाएं दी हैं। घटना सोमवार देर शाम की बताई जा रही है। महिला को सड़क हादसे घायल होने के बाद इलाज के लिए जगनेर सीएचसी लाया गया था। लेकिन अस्पताल में बेड न होने की बात कहते हुए उसे जमीन पर ही लिटा दिया गया। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे घायल महिला स्वास्थ्य केंद्र के फर्श पर एक दरवाजे के नजदीक निढाल पड़ी हुई है। केंद्र के कर्मचारियों ने महिला को एक गद्दा तक उपलब्ध कराने की जरूरत महसूस नहीं की। महिला के साथ मौजूद एक अन्य महिला बेबस दिखाई दे रही है। घायल महिला का वीडियो बनाने के बाद स्थानीय लोगों ने इस मामले को

सोशल मीडिया पर साझा करते हुए स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। कई यूजर्स ने लिखा कि यह सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की असली तस्वीर है, जहां घायल को जमीन पर इलाज के लिए छोड़ दिया जाता है। यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी इसी स्वास्थ्य केंद्र पर पिछले महीने पांच वर्षीय बालक की समय पर ऑक्सीजन न मिलने से मौत हो चुकी है। उस मामले में भी बच्चे को प्राथमिक उपचार दिए बिना ही प्राइवेट क्लिनिक रेफर कर दिया गया था, जहां से उसे वापस सीएचसी लाया गया, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी।

स्थानीय लोगों ने लगाए आरोप

स्थानीय लोगों का कहना है यह पहली बार नहीं है जब ज सीएचसी में लापरवाही का म सामने आया हो। इससे पहले 8 को इलाज में लापरवाही के च एक पांच वर्षीय बच्चे की मौ गई थी। लोगों का आरोप है सीएचसी में अव्यवस्थाएं अधीक्षक और कर्मचारी इलाज लापरवाही बरतते हैं।

शिकायत की होगी जांच

इस बारे में सीएमओ डॉ. अ श्रीवास्तव का कहना है शिकायत मिली है। इसकी जान की जाएगी। दोषियों के खि कार्यवाही की जाएगी। वीडियो जांच कराई जा रही है।

अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला सैनिक बन्धु की बैठक सम्पन्न

भूतपूर्व सैनिकों से जुड़ी विभिन्न समस्यायें सुनी गई तथा समस्याओं के निस्तारण हेतु दिए उचित दिशा निर्देश

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। अपर जिलाधिकारी (प्रो0) श्री प्रशान्त तिवारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सैनिक बन्धु की बैठक सम्पन्न हुई, बैठक में भूतपूर्व सैनिकों से जुड़ी हुई विभिन्न समस्यायें सुनी गई, जिनका निस्तारण हेतु उचित निर्देश दिये गये। बैठक में कैप्टन (नौसेना) सुनील कुमार, नौ सेना मेडल (अ0प्रा0) जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी, कर्नल हिमांशु सावंत सेना मेडल, एस.एस.ओ. स्टेशन हैडक्कार्टर आगरा छावनी, ले0 कर्नल पंकज कुमार सिंह 50 (1) पैरा ब्रिगेड, डॉ0 पियुष जैन उप मुख्य चिकित्साधिकारी, डॉ0 धीराज सिंह अतिरिक्त संख्याधिकारी, इंसपेक्टर राजीव कुमार प्रभारी जनसुनवाई प्रकोष्ठ, श्री योगेन्द्र सिंह वरिष्ठ सहायक क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, श्री आर आर पी सिंह अधिशाषी अधिकारी आगरा विकास प्राधिकरण एवं विभिन्न ब्लॉक के सैनिक बन्धु सदस्य आदि उपस्थित रहे।

भाजपा नेता की पिटाई पर नया मोड़ः चाणक्य सेना और ब्राह्मण संगठनों ने पीड़ित परिवार से मिलकर दिया समर्थन

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। खंदौली में भाजपा नेता आनंद शर्मा की पिटाई के मामले में नया मोड़ आया है। चाणक्य सेना और ब्राह्मण संगठनों के करीब दो दर्जन कार्यकर्ताओं ने बुधवार को पीड़ित परिवार से मुलाकात की। घटना 13 जुलाई की है, जब भाजपा महिला मोर्चा की महानगर अध्यक्ष उपमा गुप्ता और अन्य महिला कार्यकर्ताओं ने आनंद शर्मा के घर जाकर उनकी चप्पलों से पिटाई की थी। महिलाओं का आरोप था कि शर्मा ने उन्हें अश्लील संदेश और वीडियो भेजे थे। चाणक्य सेना के पवन समाधिया ने कहा कि दोषी होने पर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन कानून हाथ में लेना उचित नहीं है। मुलाकात के समय आनंद शर्मा घर पर नहीं थे। संगठन के प्रतिनिधियों ने उनके बड़े भाई राकेश शर्मा और पुत्र कार्तिक शर्मा से बात की। समाधिया ने बताया कि परिवार अभी डरा हुआ है, इसलिए कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि भविष्य में परिवार कार्रवाई चाहेगा तो संगठन पूरा समर्थन करेगा। मुलाकात में कैलाश नारायण मिश्रा, श्याम किशोर दीक्षित, नागेंद्र उपाध्याय, बंटी शर्मा, डॉ. रमाकांत तिवारी समेत कई प्रमुख लोग मौजूद थे।

पी यम किसान योजना के लाभार्थि कि किया गया सत्यापन

सांध्य पहल संवाददाता

प्रतापगढ़। उप कृषि पीनिदेशक विनोद कुमार यादव द्वारा तहसील पट्टी के ग्राम असुढ़ी में भ्रमण करते हुए पीएम किसान योजना के लाभार्थियों का सत्यापन किया गया एवं फार्मर रजिस्ट्री से वंचित लाभार्थियों का फार्मर रजिस्ट्री भी पूर्ण कराते हुए संकर बाजरा क्लस्टर प्रदर्शन का बीज वितरण किया गया, तथा कृषकों को फार्मर रजिस्ट्र होने वाले लाभों की भी जानका गयी। इस मौके पर सुनील व सिंह (सलाहकार), मुकेश (गोदाम प्रभारी) एवं कर्मचारियों के साथ सम्बंधित सभा के प्रधान जगन्नाथ यादव ब्रह्म प्रकाश यादव, सुरेन्द्र प्र पाण्डेय, रामअचल, शोभा राजकुमारी इत्यादि कृषक मौजूद

अलीगढ़ महानगर में 9 सितंबर तक लागू रहेगी भारतीय नागरिक सुरक्षा अधिनियम की धारा-163

अलीगढ़। श्रावण मास, कांवड़ यात्रा, रक्षाबंधन, चेहल्लुम, स्वतंत्रता दिवस, जन्माष्टमी, बारावफात सहित आगामी पर्वों और विभिन्न परीक्षाओं के मद्देनज़र अलीगढ़ महानगर में 9 सितंबर 2025 तक भारतीय नागरिक सुरक्षा अधिनियम की धारा-163(2) प्रभावी कर दी गई है। यह जानकारी अपर जिला मजिस्ट्रेट नगर अमित कुमार भट्ट ने दी। उन्होंने बताया कि खुफिया एवं अन्य माध्यमों से यह संकेत मिले हैं कि त्योहारी व परीक्षा काल में कुछ असामाजिक तत्व शांति व्यवस्था को बाधित करने की कोशिश कर सकते हैं। ऐसी स्थिति से निपटने और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने हेतु यह प्रतिबंधात्मक आदेश लागू किया गया है। धारा-163 के अंतर्गत लागू प्रतिबंधों के अनुसार किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने, भ्रामक या भड़काऊ सामग्री प्रकाशित करने अथवा प्रसारित करने, सार्वजनिक या धार्मिक स्थलों से उत्तेजक भाषण देने, समुदाय विशेष के विरुद्ध अपमानजनक भाषा या चित्रों के माध्यम से वैमनस्य फैलाने जैसी गतिविधियों पर पूर्णतः रोक रहेगी। शादी, पार्टी, या अन्य सार्वजनिक आयोजनों में लाइसेंसी शस्त्रों का प्रदर्शन अथवा उपयोग वर्जित रहेगा, और उल्लंघन की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचित करने के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी सार्वजनिक स्थान, भवन की छत, दुकान या घर पर पत्थर, बोतल, सरिया या अन्य फेंककर चोट पहुंचाने वाली वस्तुएं एवं ज्वलनशील पदार्थ एकत्र करना या रखना वर्जित रहेगा। इसी प्रकार किसी परीक्षा केन्द्र अथवा सार्वजनिक स्थान पर हथियार, आग्नेयास्त्र, तेजाब, या विस्फोटक पदार्थ लेकर जाना पूर्णतः निषिद्ध रहेगा। केवल ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को तथा दिव्यांगजनों को उनके सहारे हेतु छड़ी रखने की छूट दी गई है। सिख समुदाय के लोग म्यान में कृपाण रख सकते हैं। परीक्षा केन्द्रों के आसपास सौ मीटर की परिधि में बिना अनुमति के लाउडस्पीकर या अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग नहीं किया जा सकेगा। यह प्रतिबंध धार्मिक स्थलों या वैवाहिक कार्यक्रमों में परंपरागत प्रार्थनाओं पर लागू नहीं होगा। इसी तरह आतिशबाजी, पटाखे आदि का निर्माण, भंडारण, विक्रय अथवा प्रयोग बिना अनुमति के प्रतिबंधित रहेगा। धारा-163 के तहत किसी भी सार्वजनिक स्थल पर विधि विरुद्ध प्रयोजन के लिए पांच या अधिक व्यक्तियों का समूह नहीं बनाया जा सकेगा, विशेषकर रेलवे स्टेशन, शमशाद मार्केट, सिविल लाइन, जमालपुर क्षेत्र, रेलवे रोड व मालगोदाम के आसपास रात्रिकालीन समय में अनावश्यक भीड़ पर विशेष निगरानी रहेगी। नशे की हालत में किसी सार्वजनिक स्थल पर घूमना, उद्दंडता करना, अपराधी प्रवृत्ति के लोगों को किरायेदार बनाना या विदेशी नागरिकों की जानकारी बिना पुलिस को दिए उन्हें ठहराना प्रतिबंधित रहेगा।

साथ ही, किसी धार्मिक स्थल का प्रयोग भड़काऊ भाषणों के लिए करना, या किसी समुदाय की भावनाएं भड़काने वाले कार्यों को अंजाम देना, सामाजिक सौहार्द के विरुद्ध माना जाएगा।

उत्तर मध्य रेलवे

आगरा छावनी/चिकित्सा/एल.पी./2024-25 दिनांक 14.07.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/आगरा/उत्तर मध्य रेलवे निविदा संख्या AGC-MED-LP-2025B के अंतर्गत ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां केवल अंतिम तिथि और समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के लिए मैन्युअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है, और प्राप्त किसी भी ऐसे मैन्युअल प्रस्ताव को अनदेखा कर दिया जाएगाः-

निविदा संख्या : AGC-MED-LP-2025B	कार्य समाप्त करने की अवधि : दो वर्ष

कार्य का नाम : दो साल की अवधि के लिए दवाओं, सर्जीकल उपभोग्य सामग्रियों और पैथोलॉजी उपभोग्य सामग्रियों की दैनिक खुदरा स्थानीय खरीद के लिए फर्मों के साथ फिक्स दर पर अनुबन्ध।

निविदा की अंतिम तिथि व समय : 05/08/2025 10:30 Hrs.

निविदा प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी भारतीय रेलवे ई निविदा प्रणाली की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। कृपया नोट करें कि इस निविदा के लिए मैन्युअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है, और प्राप्त किसी भी ऐसे मैन्युअल प्रस्ताव को अनदेखा कर दिया जाएगा। 1241/25 (C)

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

क्वार्सी कृषि फार्म में किसान दिवस का हुआ आयोजन

अलीगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन के निर्देशानुसार बुधवार को उप कृषि निदेशक चौधरी अरूण कुमार की अध्यक्षता में किसान कल्याण केन्द्र क्वार्सी फार्म परिसर में किसान दिवस का आयोजन किया गया। किसान दिवस में जिले विभागीय अधिकारियों समेत कृषक चौधरी नवाव सिंह, प्रमोद कुमार वर्मा, गुलवीर सिंह, सन्तोष कुमार, दिनेश पचौरी, भगवती प्रसाद शर्मा, संजय दिवाकर, मनवीर सिंह तौमर, सुभाष चन्द्र शर्मा, अजयपाल सिंह, देशराज सिंह एवं अन्य के द्वारा प्रतिभाग किया गया। किसान दिवस में वैज्ञानिक के0वी0के0 छेरत डॉ0 असरफ अली द्वारा कृषकों को खरीफ की मुख्य फसल धान में लगने वाली कीट व रोग प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी और कृषकों द्वारा पूछी गई समस्याओं का भी समाधान किया। कृषक गुलवीर सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष भारतीय किसान संघ द्वारा मांग की गई कि जिले की राजकीय कृषि रक्षा इकाईयों पर अच्छी कम्पनी की उच्चगुणवत्ता वाली दवाई उपलब्ध कराई जायें। यूरिया, डी0ए0पी0 उर्वरक के साथ नैनो यूरिया, नैनो डी0ए0पी0 उर्वरक एवं अन्य कोई सामान न दिया जाये और साथ ही जिले में यूरिया उर्वरक निर्धारित मूल्य पर कृषकों को उपलब्ध कराया जाये और निर्धारित दर से अधिक बिक्री पर सम्बन्धित विक्रेता के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायें। वर्ष 2025 में जायद मक्का, बाजरा की खरीद के लिए सरकारी कांटा लगाने के लिए कहा गया जिस पर उप क्षेत्रीय विपणन अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जिले की 06 मण्डियों में सरकारी कांटें लगे हुए हैं जिन पर 14 प्रतिशत नमी तक की मक्का की खरीद 2275 रूपये प्रति कुन्तल की दर से की जा रही है। जिले में मक्का क्रय का कुल लक्ष्य 19000 कुन्तल है जिसके सापेक्ष 1300 कुन्तल खरीदी जा चुकी है। बैठक में कृषकों द्वारा मांग की गयी कि बिजली की आपूर्ति बढायी जायें। कृषक अजयपाल सिंह द्वारा लिखित रूप में अवगत कराया गया है कि ट्रांसफार्मर खराब होने के बाद 20 दिन से बदला नहीं गया है जोकि शासन से ट्रांसफार्मर बदलने के 24 घण्टे के अन्दर बदलने के आदेश जारी किया गया है ट्रांसफार्मर को तत्काल बदलवाया जायें। चौधरी नवाव सिंह पूर्व महासचिव भारतीय किसान यूनियन अलीगढ़ द्वारा लिखित रूप में अवगत कराया गया कि गल्ला मंडी छर्रा में उक्त मंडियों की तरह गल्ला की तोल बोरियों की मॉग की गयी। फसल बीमा प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि जो कृषक फसल बीमा नहीं चाहते हैं तो खरीफ सीजन के लिए 24 जुलाई एवं रबी सीजन के लिए 24 दिसम्बर से पहले बैंक में जाकर सूचना देनी होगी। फसल में क्षति होने पर 72 घण्टे के अन्दर टोल फ्री नम्बर 14447 पर सूचना देनी होगी उसके बाद फसल बीमा कम्पनी के प्रतिनिधि, राजस्व टीम एवं कृषि विभाग की टीम द्वारा सर्वे के अनुसार 2 माह में क्षतिपूर्ति दी जायेगी। अन्त में उप कृषि निदेशक ने लिखित में प्राप्त शिकायतों से सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि प्राप्त शिकायतों पर उचित कार्यवाही करते हुये समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कर एक सप्ताह के अन्दर आख्या उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

उत्तर मध्य रेलवे

कार्यालय मण्डल रेल प्रबन्धक (कार्य) आगरा दिनांक 16.07.2025

प्रथम शुद्धि पत्र

निविदा सूचना संख्या 2025-June-05 दिनांक 30.06.2025 की निविदा की क्रमांक 4 जो दिनांक 22.07.2025 को खोली जानी थी को निरस्त माना जाए। विवरण "http://www.ncr.indianrailways.gov.in" तथा/या भारत सरकार के पोर्टल "http://www.tenders.gov.in" पर देखे जा सकते है। 993/25 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

ट्रक ड्राइवर की बेटी कनक सिंह ने जीते दो कांस्य पदक, बनीं संघर्ष और सफलता की मिसाल

अलीगढ़। जिले के ग्राम शेखा निवासी ट्रक ड्राइवर महेश पाल सिंह की बेटी कनक सिंह ने अपने जुनून और मेहनत से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन किया है। युगांडा में आयोजित पैराबैडमिंटन इंटरनेशनल टूर्नामेंट में महिला एकल स्रु-4 वर्ग एवं महिला युगल वर्ग में दो कांस्य पदक जीतकर यह साबित कर दिया कि सच्ची लगन और हौसले के आगे कोई भी बाधा टिक नहीं सकती। कनक की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर कमिश्नर श्रीमती संगीता सिंह ने उन्हें सम्मानित करते हुए कहा कि यह सफलता न सिर्फ व्यक्तिगत गौरव की बात है, बल्कि पूरे प्रदेश व समाज के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा, ''बेटी कनक ने साबित किया है कि अगर सपनों में जान हो तो मंजिल खुद-ब-खुद चलकर आती है।''

उत्तर मध्य रेलवे

Letter No:- DRM/C/AGRA/PAY & USE/POLICY/2024 Dated:- 15.07.2025

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि0 मण्डल वाणिज्य प्रबंधक-आगरा द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई नीलामी आमंत्रित की गयी है, विवरण निम्न प्रकार हैः-

श्रेणी : नार्मल पे एण्ड यूज	नीलामी केटलॉग संख्या : PNU-AGRA-25-4

एसेट्स डिटेल्स

अछनेरा जं0 रेलवे स्टेशन पर (आई.आर.एफ.सी) टॉयलेट का संचालन एवं रख-रखाव।

छाता रेलवे स्टेशन के सर्कूलेटिंग एरिया में नार्मल पे एण्ड यूज टॉयलेट (आई.आर.एफ.सी.) का संचालन एवं रख-रखाव।

फतेहपुर सीकरी रेलवे स्टेशन के सर्कूलेटिंग एरिया में नार्मल पे एण्ड यूज टॉयलेट एवं (आई.आर.एफ.सी.) का संचालन एवं रख-रखाव।

आगरा फोर्ट रेलवे स्टेशन के सर्कूलेटिंग एरिया में (आई.आर.एफ.सी.) एवं नार्मल पे एण्ड यूज टॉयलेट का संचालन एवं रख-रखाव।

रामगढ़ रेलवे स्टेशन के सर्कूलेटिंग एरिया में (आई.आर.एफ.सी.) टायलेट का संचालन एवं रख-रखाव।

ई नीलामी प्रारम्भ होने की दिनांक एवं समय : दिनांक :- 29.07.2025 समय-11:00

ई नीलामी समाप्त होने की दिनांक एवं समय : दिनांक :- 29.07.2025 समय-12:10

नोट-उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाईन वेबसाइट- www.ireps.gov.in के E-Auction Module के माध्यम से की जायेगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त केटलॉग संख्या के अन्तर्गत उपलब्ध है। 1237/25(AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: AGC/Br/L/2025-26/02 दिनांकः 14.07.2025

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

उप मुख्य इन्जी/ब्रिज/लाइन/उत्तर मध्य रेलवे, आगरा द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एंव उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 06.08.2025 को 15.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार हैः-

निविदा नं.: Br-AGC-2025-02	अनुमानित मूल्य (रू.): ₹ 8077560.19

कार्यों का विवरणः आगरा मंडल के विभिन्न अनुभागों में ट्रैक गर्डर ब्रिज के लिए इन्स्पेक्शन क्रैडल का प्रावधान करना।

बोली प्रतिभूति (रू.): ₹ 161600.00	कार्य समापन की अवधिः 06 माह

निविदा खुलने की तिथि : 06.08.2025

सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधारः कोई भी स्ट्रक्चरल स्टील के फैब्रिकेसन का कार्य। नोटः- (1) ई-निविदा प्रपत्र सभी निविदादाताओं को निःशुल्क निर्गत किये जायेंगे। (2) उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 15:00 बजे तक निविदा खुलने की निर्धारित तिथि तक उपलब्ध है। (3) उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I. T. Act. 2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (4) निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/ लेटरहेड पर यदि सलंग्न है, तो उस पर विचार नही किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। (5) निविदादाता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर प्रमाण-पत्र, जैसा निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। (6) माल एवं/अथवा सेवाओं के सप्लायर/ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी. एस. टी. एक्ट तथा नियमों के अन्तर्गत होंगे। (7) संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। (8) निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in पर भी अपलोड कर दिया गया है। (9) बयाने की राशि केवल नेटबैंकिंग अथवा गेटवे भुगतान के रूप में ही स्वीकार की जायेगी। (10) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। (11) आनलाइन निविदा निविदा खुलने की निर्धारित तिथि को समय 15.00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। (12) निविदादाता को आई.आर.जी.सी.सी. 2022 (वर्कस मैटर) भाग-I के पैरा 10 से 18 के अनुपालन में उल्लिखित आवश्यक दस्तावेजों को निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अथवा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी। 1239/25(A)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

आवश्यक सूचना

रेल प्रशासन द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि न इण्टरलॉकिंग कार्य के कारण निम्नलिखित रेलगाड़ियों का निरस्तीकर रेग्युलेशन, रिशड्यूलिंग एवं स्टेशनों पर ठहराव समाप्त करने का नि लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण

क्र. सं.	गाड़ी सं.	कहाँ से -कहाँ तक	निरस्तीकरण की ति
1	51813	वी.लक्ष्मीबाई झाँसी लखनऊ पैसेंजर	29.07.25 से 02.08
2	51814	लखनऊ-वी.लक्ष्मीबाई झाँसी पैसेंजर	29.07.25 से 02.08

रेलगाड़ियों का रेग्युलेशन

क्र. सं.	गाड़ी सं.	कहाँ से- कहाँ तक	रेग्युलेशन का समय	तिथि
1	51813	वी.लक्ष्मीबाई झाँसी-लखनऊ पैसेंजर	झाँसी मण्डल पर 75 मिनट	23.07.20
2	11109	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-लखनऊ जं. इण्टरसिटी	झाँसी मण्डल पर 30 मिनट झाँसी मण्डल पर 90 मिनट	23.07.2 29.07.2 02.08.2
3	14124	कानपुर-माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ इण्टरसिटी	कानपुर से 30 मिनट विलम्ब से चलेगी (17:30 बजे के स्थान 18:00 बजे)	28.07.2
4	12512	तिरूवन्तपुरम-गोरखपुर राप्तीसागर एक्स.	मध्य रेलवे पर 75 मिनट पर पश्चिम मध्य रेलवे पर 75 मिनट झाँसी मण्डल पर 60 मिनट	27.07. 29.07. 30.07.
5	19401	साबरमती जं.-लखनऊ एक्सप्रेस	उत्तर पश्चिम रेलवे पर 50 मिनट, पश्चिम मध्य रेलवे पर 50 मिनट तथा आगरा मण्डल पर 50 मिनट	28.07.
6	12180	आगरा फोर्ट-लखनऊ जं. इण्टरसिटी	आगरा एवं प्रयागराज मण्डल पर 90 मिनट	29.07.2 02.08.2
7	12592	बेंगलुरु सिटी-गोरखपुर एक्सप्रेस	मध्य रेलवे पर 75 मिनट, पश्चिम मध्य रेलवे पर 75 मिनट तथा झाँसी मण्डल पर 60 मिनट	28.07.2
8	19715	जयपुर-गोमती नगर एक्सप्रेस	पश्चिम मध्य रेलवे पर 50 मिनट, आगरा मण्डल तथा पूर्वोत्तर रेलवे पर 50 मिनट	29.07.2 01.08.2
9	19409	साबरमती-थावे एक्सप्रेस	पश्चिम मध्य रेलवे पर 50 मिनट, आगरा मण्डल तथा पूर्वोत्तर रेलवे पर 50 मिनट	31.07.2

रेलगाड़ियों की रिशड्यूलिंग

क्र. सं.	गाड़ी सं.	कहाँ से- कहाँ तक	रिशड्यूलिंग का समय	तिथि
1	22426	आनंद विहार (ट.)-अयोध्या कैण्ट वंदे भारत एक्स.	आनंद विहार (ट.) से 50 मिनट विलम्ब से चलेगी (6:10 के स्थान पर 7:00 बजे)	29.07. से 02.08.2

जैतीपुर स्टेशन पर रेलगाड़ियों का ठहराव निम्न तिथियों पर समाप्त रहे

अप रेलगाड़ियाँ

गाड़ी सं.	गाड़ी का नाम	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी ति
55345	लखनऊ जं.-कासगंज पैसेंजर	23.07.2025 से 02.08.20
64203	लखनऊ-कानपुर मेमू	23.07.2025 से 02.08.20
64211	लखनऊ-कानपुर मेम	23.07.2025 से 02.08.20
51814	लखनऊ-वी.लक्ष्मीबाई झाँसी पैसेंजर	23.07.2025 से 28.07.20
64255	उतरेटिया-कानपुर मेमू	23.07.2025 से 02.08.20

डाउन रेलगाड़ियाँ

गाड़ी सं.	गाड़ी का नाम	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी ति
55346	कासगंज-लखनऊ पैसेंजर	31.07.2025 से 02.08.202
64204	कानपुर-लखनऊ मेमू	31.07.2025 से 02.08.202
64212	कानपुर-लखनऊ मेमू	31.07.2025 से 02.08.202
64214	कानपुर-लखनऊ मेमू	31.07.2025 से 02.08.202

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail mad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1243/2

छलेसर परिसर में मार्कसशीट वितरण शुरू विधायक ने किया अभियान का शुभारंभ

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय ने मार्कशीट वितरण का कार्य आरंभ कर दिया है। मंगलवार को छलेसर परिसर से मार्कशीट वितरण शुरू हुआ। अभियान का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधानसभा डॉ. धर्मपाल सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. ओम प्रकाश, सहायक कुलसचिव रमा कांत त्रिपाठी ने किया। डॉ. धर्मपाल सिंह ने महाविद्यालयों के स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं की मार्कशीट उनके प्राचार्यों एवं प्रतिनिधियों को प्रदान की। पहले दिन 33 कॉलेज ने अंकपत्र प्रदान किए गए। इसमें 8150 छात्रों की अंकतालिकाएं प्रदान की गयी। नारायण कॉलेज, बीडीएम कॉलेज, डॉ. एमपीएस कॉलेज, एमजीपीजी कॉलेज, बीबीआरआई कॉलेज, एसबीएस कॉलेज, बीडी जैन कॉलेज और विश्विद्यालय के कंप्यूटर सेंटर सहित अन्य कॉलेजों ने अंकतालिका ली। परीक्षा नियंत्रक डॉ. ओमप्रकाश के अनुसार यदि किसी मार्कशीट में त्रुटि पाई जाती है तो संबंधित छात्र कॉलेज डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के छलेसर परिसर में मंगलवार को मार्कशीट वितरित की गई। माध्यम से विश्वविद्यालय से संपर्क कर सकते हैं। उनके अनुसार 16 जुलाई को कॉलेज कोड संख्या 101 से 200 तक, 17 जुलाई कॉलेज कोड संख्या 201 से 400 तक, 18 जुलाई कॉलेज कोड संख्या 401 से 600 तक और 19 जुलाई कॉलेज कोड संख्या 601 से शेष सभी की मार्कशीट दी जाएंगी। जल्द ही डिग्री वितरण की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी। इस मौके पर तेगबहादुर जग्गी, संजय चौहान, सुखपाल तोमर आदि लोग प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

खंदौली में 18 जुलाई को बिजली से जुड़ी समस्या का एक ही जगह पर होगा समाधान

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। एत्मादपुर विधानसभा क्षेत्र के खंदौली में 18 जुलाई दिन शुक्रवार को ब्लॉक खंदौली के प्रांगण गायत्री सभागार में महा कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें बिल संशोधन, मीटर से संबंधित शिकायतें, भार वृद्धि,विद्या परिवर्तन आदि विद्युत संबंधित शिकायतों का समाधान किया जाएगा। इस कैंप में बिजली से जुड़ी हर प्रकार की समस्या का एक ही स्थान पर समाधान किया जाएगा। संबंधित विभाग के अधिकारी मौके पर मौजूद रहेंगे। जो समस्या तत्काल हल हो सकती है, उसे मौके पर ही दूर कराया जाएगा, और जो तकनीकी रूप से समय लेगी, उसे प्राथमिकता के साथ शीघ्र समाधान के लिए आगे बढ़ाया जाएगा। ये जानकारी अरुण कुमार सागर उपखंड अधिकारी खंदौली ने दी।

आनंद शर्मा के सामाजिक जीवन की हत्या करने वाली महिलाओं पर दर्ज हो एफ आई आर- मनोज शर्मा

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। खंदौली के प्रतिष्ठित नागरिक एवं भाजपा कार्यकर्ता आनंद शर्मा के घर में भाजपा की ही कुछ महिला कार्यकर्ताओं द्वारा महिला मोर्चा की महानगर अध्यक्ष उपमा गुप्ता के साथ घर में घुसकर उनकी जूते चप्पलों से पिटाई करने और उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने की घटना अब तूल पकड़ती जा रही है। जन सहयोग संगठन द्वारा इस घटना में लिप्त महिलाओं के इस कृत्य की कड़ी निंदा करते हुए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। जन सहयोग संगठन के राष्ट्रीय संचालिका ब्राह्मण शिरोमणि आरती शर्मा ने कहा कि आनंद शर्मा पर किसी महिला को वाट्सएप पर अश्लील वीडियो और संदेश भेजने का आरोप लगाया गया है। यदि आरोप सत्य है तो अपराध है। पीड़ित महिला को पुलिस थाने में अपने प्रमाण के साथ आरोपी के खिलाफ एफ आई आर दर्ज करवाने और आरोपी को गिरफ्तार करवाने का संवैधानिक और न्यायिक मार्ग का अनुसरण करना चाहिए था। पीड़ित महिला ने आनंद शर्मा के साथ जो अमानवीय हरकत की, वो उनकी विकृत और कानून को अपने हाथ में लेने की मानसिकता को दर्शाता है। आरती शर्मा ने कहा कि जिस तरह से आनंद शर्मा के घर में घुसकर महिलाओं द्वारा उनके परिवार के सामने और घर के बाहर घसीट कर पड़ोसियों के सामने जूतों चप्पलों से पिटाई करना और उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करना आनंद शर्मा के सामाजिक जीवन की हत्या का अपराध है। आरोपियों ने उनके पूरे परिवार के सामाजिक जीवन की हत्या की है। आनंद शर्मा और उसका पूरा परिवार समाज में स्वयं को लज्जित महसूस कर रहा है। ऐसी महिलाओं को कानून अपने हाथ में लेने का कोई अधिकार नहीं है। इन महिलाओं ने आनंद शर्मा की सामाजिक और पारिवारिक प्रतिष्ठा को तार तार कर दिया। उन्होंने कहा कि घटना में शामिल सभी महिलाओं पर एफ़आईआर और उनकी गिरफ्तारी ही समाज को अराजकता और जंगलराज से बचाने का संवैधानिक संदेश हो सकता है। जन सहयोग संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्राह्मण शिरोमणि मनोज शर्मा ने भी घटना पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यदि आनंद शर्मा पर अश्लील वीडियो और संदेश भेजने का आरोप सही है तो पीड़ित महिला को उन संदेशों को सार्वजनिक कर पुलिस के माध्यम से आरोपी को दंडित करवाने का मार्ग अपनाना चाहिए था। अगर आरोप सही है तो आरोपी को दंड मिलना ही चाहिए। किंतु आरोपी के घर में घुसकर हमला करने के अपराध में सभी आरोपी महिलाओं को दंड भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं हो रहा है कि भाजपा में ऐसी अराजक और असामाजिक विचारधारा की महिमा कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल है। ऐसे कार्यकर्ता भाजपा की प्रतिष्ठा को धूमिल करते हैं। उन्होंने आगरा जिला भाजपा नेताओं से आनंद शर्मा के घर में घुसकर उनपर हमला करने वाली सभी महिला कार्यकर्ताओं को भाजपा से निष्कासित निकालने की मांग की है।

योगी सरकार देगी तहसील स्तर के उत्पादों को पहचान

- कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने किया एक जिला एक उत्पाद के विस्तार का ऐलान
- टीटीजेड की बंदिशों पर सुप्रीम कोर्ट में प्रभावी पैरवी का दिया भरोसा, उद्योगों को मिलेगी र
- आगरा बनेगा उद्योग प्रदेश, मिलेंगे नए औद्योगिक पार्क
- मथुरा का होगा विश्व स्तरीय विकास, पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। उद्योग संवाद एमएसएमई पावर टॉक 2025 कॉन्क्लेव में उत्तर प्रदेश सरकार ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग को बढ़ावा देने के लिए बड़े ऐलान किए। एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने घोषणा की कि अब एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना का और अधिक विस्तार किया जाएगा, जिसमें तहसील स्तर के विशिष्ट उत्पादों और एक जिले से एक से अधिक उत्पादों को भी शामिल किया जाएगा।

आगरा के उद्योगों को मिलेगी राहत, स्टाम्प ड्यूटी में छूट

कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने आगरा के उद्योगों की प्रमुख समस्या, ताज ट्रेपेजियम जोन (टीटीजेड) की बंदिशों पर भी बात की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि योगी सरकार इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में प्रभावशाली पैरवी करेगी, ताकि आगरा के उद्योगों को राहत मिल सके। उन्होंने आगरा में नए औद्योगिक पार्कों की स्थापना और स्टांप ड्यूटी में 100त्न तक की छूट जैसी नीतिगत सहूलियतों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उनका सपना उत्तर प्रदेश को उद्यम प्रदेश बनाना है, जिसके लिए एमएसएमई उद्यमियों का सहयोग अनिवार्य है। उन्होंने उद्यमियों से किसी भी समस्या के समाधान के लिए सीधे लखनऊ आकर उनसे मिलने का आह्वान किया।

मथुरा का होगा विश्व स्तरीय विकास

कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने कहा कि अयोध्या और काशी के बाद अब मथुरा- आगरा की बारी है। उन्होंने बताया कि इस वित्तीय बजट में मथुरा के विकास के लिए 50,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि घोषित की गई है, जिससे मथुरा एक विश्वस्तरीय पर्यटन नगरी के रूप में उभरेगा। उन्होंने प्रयागराज महाकुंभ का उदाहरण देते हुए कहा कि इससे स्थानीय शिल्पकारों और रोजगार को भी फायदा मिला है, और उत्तर प्रदेश अब पर्यटन का हब बन रहा है।

सरकार पूरी तरह सकारात्मक

उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष राकेश गर्ग ने कहा कि सरकार पूरी तरह से उद्यमियों के साथ खड़ी है। कार्यक्रम में ब्रश उद्योग, जरदोजी कला, चांदी पायल उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण, रेडीमेड गारमेंट और वेडिंग इंडस्ट्री जैसे विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े उद्यमियों ने अपनी समस्याएं और सुझाव रखे। उद्यमियों ने टीटीजेड में रियायत, जीएसटी में छूट, जमीन आवंटन, प्रशिक्षण केंद्र और क्लस्टर विकास जैसी मांगें उठाईं। उद्योग संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, उ.प्र. लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष राकेश गर्ग, फुटवियर एवं चमड़ा उद्योग विकास परिषद अध्यक्ष पूरन डावर, संयुक्त आयुक्त उद्योग अनुज अशोक, कार्यक्रम संयोजक लघु उद्योग भारती के प्रदेश सचिव मनीष अग्रवाल रावी, डॉ रंजना बं चैंबर ऑफ फूड प्रोसेसिंग इं एसोसिएशन अध्यक्ष राजक भगत, कार्यक्रम अध्यक्ष अ अग्रवाल, किशोर खन्ना ने प्रज्वलित कर किया। कार्यक्र लीजेंड अवार्ड 2025 से 11 वि एमएसएमई उद्यमियों को उ उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्म किया गया। इसमें आ फिरोजाबाद और हाथरस के संख्या में उद्यमी, विशेषज्ञ और उ संघों के प्रतिनिधि शामिल हुए। उ संवाद कार्यक्रम में गा एसोसिएशन, कोल्ड स्टोरेज अ एसोसिएशन, सराफा एसोसिए आगरा जरदोजी डेवलप एसोसिएशन, शहीद भगत सिंह कुटीर उद्योग, वेडिंग इं एसोसिएशन, नेशनल चैंबर इंडस्ट्री एंड कॉमर्स, आगरा मैन्युफैक्चरर एसोसिएशन, अ व्यापार मंडल, ब्रश एंड क्ल प्रोडक्ट एसोसिएशन, हैंडीक्र एक्सपोर्टर एसोसिएशन, अ रेडीमेड गारमेंट संगठन, फेडे ऑफ आगरा फुटवियर मैन्युफै सहित आगरा की दर्जनों संस्थाओ प्रतिनिधियों की भागीदारी रही।

भाई बना भेदी, भतीजे ने ली जानः संपत्ति विवाद में दोहरे हत्याकांड का 24 घंटे में पर्दाफाश, चारो आरोपी दबोचे

मृतक के भाई और भतीजे ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर दिया है घटना को अंजाम।

पुलिस ने 24 घंटे में दोहरे हत्याकांड का किया सनसनीखेज खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। किरावली थाना क्षेत्र में हुए दोहरे हत्याकांड का पुलिस ने महज 24 घंटे में खुलासा कर दिया। इस दिल दहला देने वाली वारदात के पीछे कोई और नहीं, बल्कि मृतक का सगा भाई और भतीजा ही निकले। संपत्ति के विवाद में अंधे होकर उन्होंने ऐसी साजिश रची, जिसमें एक निर्दोष व्यक्ति की भी जान चली गई। पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दोहरे हत्याकांड का सफलतापूर्वक खुलासा करने वाली पुलिस टीम को सम्मानित करने की घोषणा की गई है।

नहर किनारे मिले थे दो शव, इलाके में मचा था हड़कंप

14 जुलाई सोमवार सुबह सुबह 8:30 बजे गांव पुरामना के पास नहर किनारे दो शव मिलने से सनसनी फैल गई थी। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों की शिनाख्त की तो मृतकों की पहचान 38 वर्षीय नेत्रपाल पुत्र चंद्रभान और 35 वर्षीय कृष्णपाल उर्फ केपी पुत्र लालाराम के रूप में हुई। दोनों ही थाना अछनेरा क्षेत्र के गांव अरदाया के रहने वाले थे। नेत्रपाल के हाथ-पैर बंधे मिले और दोनों के सिर पर लोहे की रॉड से वार किए गए थे। घटनास्थल से गुटखा, शराब, डिस्पोजल ग्लास और पानी के पाउच भी बरामद हुए थे, जिससे यह प्रतीत हुआ कि वारदात को योजनाबद्ध तरीके से अंजाम दिया गया। इस प्रकार के निर्मम दोहरे हत्याकांड से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गयी थी। जिसकी बजह से इस घटना का जल्द से जल्द खुलासा करने में पुलिस जुट गयी थी।

भतीजा ही निकला हत्यारा

पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू की। कृष्णपाल का भतीजे पर पुलिस को शक हुआ। रात को उसके उठाया। उससे पूछताछ की गई। इसमें उसने बताया कि जमीन का विवाद चल रहा था। इसको लेकर ही उसने चाचा कृष्णपाल की हत्या की साजिश रची थी।

भाई-भतीजे ने रची थी खौफनाक साजिश

पुलिस पूछताछ में जो सच सामने आया, वह रिश्तों को शर्मसार कर देने वाला था। कृष्णपाल उर्फ केपी का अपने बड़े भाई अजयपाल से पैतृक संपत्ति को लेकर वर्षों से विवाद चला आ रहा था। पंचायतें भी हुईं लेकिन अजयपाल फैसले मानने को तैयार नहीं था। इसी खुन्नस में अजयपाल ने अपने बेटे बाबूलाल के साथ मिलकर केपी को रास्ते से हटाने की योजना बनाई।

फोन पर बुलाया, फिर लोहे की रॉड से पीट-पीटकर मार डाला

डीसीपी अतुल शर्मा ने बताया की अजयपाल ने रविवार रात को 8 बजे पहले कृष्णपाल को फोन कर बुलाया। कृष्णपाल जब अपने साथी नेत्रपाल के साथ पहुंचा, उन्हें लगा था कि कृष्णपाल अकेले ही आएगा। मगर, उसके साथ नेत्रपाल भी आ गया। तो वहां पहले से बाबूलाल के साथ गांव के ही मनीष और धनिष मौजूद थे। सबसे पहले दोनों पर फायरिंग की गई, लेकिन वे बच गए। इसके बाद हमलावरों ने लोहे की रॉड से उनके सिर पर जानलेवा वार किए। दोनों वहीं लहूलुहान होकर गिर पड़े और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।कृष्णपाल के साथ मौजूद उसके मित्र नेत्रपाल को भी इसलिए मार डाला गया ताकि कोई गवाह न बचे।हत्या के बाद शवों को नहर की पटरी पर झाड़ियों में छिपा दिया गया और घटना को अंजाम देने के बाद अपराध छिपाने के लिए मृतकों के मोबाइल और बाइक को दूर फेंक दिया गया।

नेत्रपाल को मारना नहीं था मकसद, मगर बन गया शिकार

जांच में खुलासा हुआ कि नेत्रपाल इस साजिश का हिस्सा नहीं था। वह केवल कृष्णपाल के साथ गया था। हालांकि पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार नेत्रपाल एक हिस्ट्रीशीटर था और उस पर अछनेरा थाने में कई आपराधिक मुकदमे दर्ज थे। लेकिन हत्यारों का असली निशाना केवल केपी था, नेत्रपाल की हत्या केवल घटनास्थल पर मौजूदगी की वजह से हो गई।

पुलिस को भाई ने ही दी सूचना

हत्या के बाद सुबह 8 बजे भाई अजयपाल ने ही पुलिस को सूचना दी थी। उसने ही तहरीर दी। वो पुलिस को गुमराह करता रहा। पुलिस ने कॉल डिटेल निकलवाई और सर्विलांस के जरिए इनसे पूछताछ की। पूछताछ में पूरा मामला खुल गया।

पैसों में खरीदे गए कातिल

डीसीपी पश्चिम अतुल शर्मा ने यह भी बताया कि इस हत्याकांड को अंजाम देने के लिए अजयपाल पुत्र लालाराम निवासी अरदाया और उसके पुत्र बाबूलाल ने मनीष पुत्र आशाराम निवासी गांव अरदाया थाना किरावली और धर्मेंद्र उर्फ धनीश पुत्र आशाराम निवासी गांव अरदाया थाना किरावली को साढ़े पांच लाख रुपए की सुपारी थीं। हत्या के पीछे मुख्य मकसद पैतृक जमीन पर अकेले कब्जा जमाना था। फिलहाल पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही मौके से हत्या में शामिल हथियार दो मोबाइल फोन टूटे हुए दोनों मृतकों के 01 पिस्टल मय 02 जिंदा कारतूस 32 बोर अभियुक्त मनीष से बरामद 02 लोहे की रॉड (01 रॉड बाल अपचारी बाबूलाल से व 01 रॉड धर्मेन्द्र से पुलिस ने बरामद कर लिया है।

हत्याकांड के बाद मित्रों में झगड़ा दर्शाना चाहते थे आरोपी

पुलिस ने बताया कि अजयपाल पिछले 4 महीने से हत्या की योजना बना रहा था। उसके बेटे ने अपने मित्रों मनीष और धनीष को पांच लाख रुपये देने का लालच दिया। वह तैयार हो गए। एडवांस में दोनों ने 20 हजार रुपये लिए। मनीष ने एक नया सिम खरीदा था। घटना वाले दिन उसके भाई धनीष ने नेत्रपाल को पार्टी करने के बहाने मिलने के लिए बुलाया। योजना थी कि हत्या हुई तो यह समझा जाएगा कि दोनों के बीच विवाद हुआ था।

गिरफ्तारी के बाद टूटा भतीजा, कबूल किया जुर्म

पुलिस ने सोमवार देर रात बाबूलाल को हिरासत में लिया और थाने लाकर कड़ाई से पूछताछ की। आखिरकार वह टूट गया और पूरी साजिश का खुलासा कर दिया। उसकी निशानदेही पर अजयपाल, मनीष और धनिष को भी गिरफ्तार कर लिया गया। इस जघन्य हत्याकांड का तेज़ी से खुलासा करने वाली पुलिस टीम की डीसीपी अतुल शर्मा ने सराहना की और उनके लिए पुरस्कार की घोषणा की गई है।

तकनीकी साक्ष्यों और कॉल डिटेल्स से हुआ खुलासा

पुलिस ने घटना के बाद तेजी से कार्रवाई करते हुए सहायक पुलिस आयुक्त अछनेरा गौरव सिंह के नेतृत्व में थाना प्रभारी किरावली,नीरज कुमार थाना प्रभारी अछनेरा देवेंद्र कुमार द्विवेदी एसओजी टीम के प्रभारी सचिन कुमार सर्विलांस सेल के प्रभारी अनुज कुमार उप निरीक्षक सतीश कुमार सोलंकी, उप निरीक्षक देवेन्द्र सिंह, उप निरीक्षक विशान्त राठी, उप निरीक्षक विशाल चौधरी, उप निरीक्षक मोहित चौहान, उप निरीक्षक रन्धीर सिंह उप निरीक्षक नवजीत सिंह, एसओजी टीम के उप निरीक्षक मोहम्मद आरिफ हेड कांस्टेबल मुकेश कुमार हेड कांस्टेबल भूपेन्द्र सिंह कांस्टेबल मनु गौतम व अजीत कुमार व संजीव कुमार सहित सर्विलांस और एसओजी टीम शामिल रही।

आत्महत्याः मोबाइल पर बात करते-करते ट्रेन के आगे कूदी युव

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। बरहन रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर दो पर मंगलवार दोपहर काफी देर से फोन पर बात कर रही एक युवती ने ट्रेन के आगे छलांग लगा दी। इससे उसकी मौत हो गई। मृतका की पहचान गांव तिहैया निवासी दिव्या (20) पुत्री महेंद्र सिंह के रूप में हुई है। जीआरपी टूंडला पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। परिजन भी ट्रेन के आगे कूदने की कोई वजह नहीं बता सके। स्टेशन अधीक्षक रामपाल बघेल ने बताया कि मंगलवार दोपहर 1ः34 बजे पुरी से नई दिल्ली जा रही 12815 नंदन कानन एक्सप्रेस को स्टेशन से पास कराने ने लिए वह हरी झंडी दिखाने बाहर आए थे। तभी प्लेटफार्म नंबर दो से एक युवती लूप लाइन को पारकर दौड़ती हुई आई और ट्रेन के इंजन में आगे कूद गई। उन्होंने बताया कि इंजन से सिर टकराते ही युवती की पर ही मौत हो गई। वहीं, प्लेटफार्म नंबर दो पर मौजूद पोर्टर ने स्टेशन अधीक्षक को बताया कि युवती काफी दे फोन पर बात कर रही थी। सूचना पर परिजन भी मौके पर आ गए। जीआरपी घटना की जांच कर रही है।

बीईओ सस्पेंड, किताबें नहीं बांटने का आरोपः उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ ने की थी शिकायत, जांच के बाद आया निलंबन पत्र

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। बीईओ सैंया को अपर शिक्षा निदेशक[(बेसिक) कामता राम पाल ने निलंबित कर दिया है। बीईओ दीपक कुमार पर समय से किताबें न बंटवाने, विज्ञान किट को एक साल तक कमरे में बंद रखने का आरोप है। निलंबन अवधि में दीपक कुमार मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) कार्यालय से संबद्ध रहेंगे। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ सैंया ने भी बीईओ के खिलाफ शिकायतें की थीं। डीएम सहित सभी उच्चाधिकारियों को ज्ञापन भेजा था। बीईओ के खिलाफ बीईओ कार्यालय और बीआरसी सैंया के सभी कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर चले गए थे। मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) द्वारा बीईओ दीपक कुमार पर लगे आरोपों की जांच की गई थी। निरीक्षण में पाया गया कि दीपक कुमार ने लगभग 900 पाठ्य पुस्तकें बीआरसी सैंया पर और 1800 पाठ्य पुस्तकें अन्य बीआरसी पर भिजवाई। जबकि वर्ष 2025 26 के पहले ही दिन कापी किताबों को स्कूलों तक पहुंचाना था। दीपक कुमार ने 1813 कापी किताबें समय से वितरित नहीं कराईं।

एक साल तक विज्ञान किट रही ताले में

उच्च प्राथमिक विद्यालयों के लिए विज्ञान किट 20 और गणित किट 24 और प्राथमिक विद्यालयों के लिए 90 किट मिली थीं। इस प्रकार 44 विज्ञान / गणित किट जूनियर हाई स्कूल को तथा कुल 90 किट प्राथमिक विद्यालय स्तर पर पिछले साल ही वितरित करानी थी। लेकिन दीपक कुमार ने एक साल तक किट ताले में बंद रखी।

स्कूलों तक किटें पहुंचाई ही नहीं।

अतिक्रमण हटाने पर बवाल, 5 घायलः दुकानदारों ने न निगम टीम को घेरा, पुलिस चौकी के अंदर दोनों पक्ष भि

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। बुधवार को अतिक्रमण हटाने को लेकर बवाल हो गया। नगर निगम टीम और स्थानीय लोगों में मारपीट हो गई। बात इतनी बढ़ गई कि लोग लाठी डंडे लेकर सड़क पर उतर आए। मारपीट में नगर निगम कर्मी सहित 5 लोग घायल हो गए। मौके पर दो थानों की फोर्स पहुंची। किसी तरह लोगों को शांत कराया। इसके बाद लोगों ने पुलिस चौकी पर भी जमकर हंगामा किया। ये मामला शाहगंज के सराय ख्वाजा क्षेत्र का है। नगर निगम की टीम दोपहर को अतिक्रमण हटाने गई थी। पहले तो यहां शराब के ठेके के पास पॉलीथिन का प्रयोग कर रहे दुकानदारों का चालान काटा। इसके बाद यहां नाले पर अतिक्रमण कर अस्थायी रूप से बनाई कई दुकानों को हटाया। त्रिपाल गिराने के साथ ही नाले पर रखा फर्नीचर ध्वस्त कर दिया। इससे गुस्साए लोगों ने नगर निगम की टीम को घेर लिया। दोनों तरफ से पहले कहासुनी हुई, फिर मारपीट शुरू हो गई। इसका दुकानदारों और स्थानीय लोगों ने विरोध किया। वो लाठी डंडा लेकर आ गए। इसमें सफाई इंस्पेक्टर प्रदीप गौतम समेत 5 लोग घायल हो गए। सड़क पर जाम लग गया। लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। इस पर नगर निगम की टीम ने पुलिस को कॉल की। तब तब दो पक्षों में मारपीट होने लगी। पुलिस दोनों चौकी लेकर आई।

पुलिस चौकी पहुंचे दोनों

सराय ख्वाजा पुलिस चौक भी दोनों पक्षों में जमकर त हुआ। पुलिस चौकी के अंद हंगामा किया।पुलिस ने बड़ी मुश्कि से गुस्साए लोगों को संभाला। घ लोगों का मेडिकल कराया जा र

दोनों पक्ष एक दूसरे के खि पुलिस चौकी पर तहरीर रहे हैं।

विधायक का करीबी से विवाद

नगर निगम की टीम दुकानदार से विवाद हुआ, खेरागढ़ के विधायक भगवान कुशवाह का करीबी है। सूचन बाद विधायक के भाई भी पहुंच थे। उन्होंने हस्तक्षेप करके नगर और दुकानदारों में समझौता दिया था। मगर, बाद में दुका भड़क गए और हंगामा हो गया। निगम के अतिक्रमण प्रभारी संजय वर्मा ने बताया अतिक्रमण हटाने गई थी। इस वि विवाद हो गया। मामले की कराई जा रही है। इसके बाद ही की कार्रवाई की जाएगी।

महिला की हत्या में वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। महिला को आत्महत्या के लिए प्रेरित करने की घटना में वांछित अभियुक्त को थाना सिंकदरा पुलिस टीम द्वारा किया गिफ्तार। एक व्यक्ति द्वारा दिनांक 21 मार्च.2025 थाना सिकंदरा पर तहरीर दी गई कि उसको उसके साले ने फोन कर बताया कि दिनांक 15 मार्च.2025 को उसकी पत्नी की शास्त्रीपुरम देहतोरा में किराये के मकान में संदिग्ध हालत में मौत हो गयी है। उसकी पत्नी ऊसके बड़े बेटे को लेकर पिछले कई वर्षो से पवन सिकरवार पुत्र साहब सिंह के साथ रहती थी और पवन सिकरवार उरकी पत्नी से झगड़ा करता था व प्रताड़ित करता था और आत्महत्या के लिए उकसाता था। पवन की प्रताड़ना से परेशान होकर उसकी पत्नी ने आत्महत्या कर ली है। इस सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना सिकंदरा पर धारा 108 बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। महिला को आत्महत्या के लिए उकसाने वाले अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु थाना सिकंदरा पर पुलिस टीम का गठन किया गया। 16 जुलाई को गठित पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र में गश्त/चैकिंग की जा रही थी, इसी दौरान मुखबिर द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर महिला को आत्महत्या करने के लिए प्रेरित करने की घटना में वांछित अभियुक्त पवन सिकरवार पुत्र श्री सहाब सिंह निवासी पूनम विहार कालोनी बरौली अहीर शमशाबाद रोड थाना ताजगंज आगरा को रजेश्वरी मन्दिर के पास शमशाबाद रोड से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार शर्मा,उप निरीक्षक अंकुर राठी उप निरीक्षक बिरेन्द्र सिंह कास्टेबल जितेन्द्र सिंह और तरूण कुमार शामिल रहे।

सुबह से ही 10-20 रूपये के लालच में शटर के नीचे से बेचीं जा रही शराब, वीडियो वाइरल

आगरा। पुलिस आयुक्त के आदेश को अबकारी विभाग का सहयोग नही मिल रहा है। पुलिस ने आयुक्त के आदेश के बाद खुले में शराब पीने वालों पर कार्यवाही। लेकिन नियम के विरूद्ध ठेके से शराब बेचने वालों के खिलाफ आबकारी ने कोई कार्रवाई नहीं की है। देशी शराब के ठेके आबकारी विभाग की लापरवाही के चलते नियमों के विरूद्ध ठेके से शराब की बिक्री कर रहे है। यह नजारा यमुनापार क्षेत्र में आम है। जानकारी के अनुसार सुबह चार बजे से ही देशी शराब के ठेकों के बाहर सुबह चार बजे से ही आबकारी विभाग के नियमों की धज्जियां उड़ना शुरू हो जाता है। ठेके संचालक सुबह चार बजे से 10-20 रूपये के लालच में शटर के नीचे से अवैध तरीके से शराब बेच रहे है। जिम्मेदार विभाग मामले में चुप्पी साधे हुए है। आरोप है कि ठेकों ने बंगल में ही कैंटीन खोल रखी है।

सांध्य पहल

मंथन

लोकतंत्र के प्रहरी की भूमिका निभाने का वक्त

मनोज झा

प्रिय मुख्य चुनाव आयुक्त! मैं समय के गलियारे के छोर से आपको यह चिट्ठी लिख रहा हूं। एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जिसे हमारे गणतंत्र के एकदम प्रारंभिक वर्षों में यह सुनिश्चित करने का पावन काम सौंपा गया था कि प्रत्येक भारतीय, चाहे वह किसी भी जाति, पंथ, वर्ग या क्षेत्र का हो, मुक्त और बेखौफ होकर अपना वोट डाल सके। यह संवैधानिक कर्तव्य और ऐतिहासिक चिंतन की वह गहरी भावना है, जिसके आधार पर मैं आपको बताना चाहूंगा कि कैसे हमने लोकतांत्रिक स्व-शासन के एक महान प्रयोग की नींव रखी। एक ऐसा गणतंत्र, जहां प्रत्येक वयस्क, चाहे उसकी सामाजिक या आर्थिक हैसियत कुछ भी हो, समान मताधिकार रखता है।

जब मैंने 1951-52 में पहला लोकसभा चुनाव करवाया था, तब गणतंत्र शैशव काल में था, विभाजन के जख्म ताजा थे, निरक्षरता से बोझिल और सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के विचार से अनभिज्ञ। फिर भी, भारतीय जनता ने चुनावी प्रक्रिया में अटूट विश्वास जताया, क्योंकि उन्हें यकीन था कि इसे संचालित करने वाली संस्था निष्पक्षता, दृढ़ता और कार्यपालिका से पूर्ण आजादी के साथ काम कर रही है।

आज, जरूरी है कि यह विश्वास डगमगाए नहीं, क्योंकि बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बारे में आई हालिया रिपोर्टें बेहद परेशान करने वाली हैं। आरोप हैं कि यह प्रक्रिया गरीबों, भूमिहीनों और सामाजिक रूप से हाशिए के लोगों को असमान रूप से प्रभावित कर रही है, जिनके लिए मतदान का अधिकार अक्सर सशक्तीकरण का एकमात्र वास्तविक साधन रहा है।

वहां चल रहा पुनरीक्षण कार्य लोगों का नाम काटने और शक्तिहीन करने वाला प्रतीत हो रहा है। दूरगामी परिणामों वाले इतने विशाल काम को, इतने कम समय में करने का प्रयास तक आपदा का नुस्खा बन सकता है। आप यह काम एक ऐसे राज्य में कर रहे हैं जहां से दूसरे राज्यों में प्रवासी कामगार बनने वालों की संख्या बहुत अधिक है। जिसका भूगोल कुछ महीने बाढ़ से अस्त-व्यस्त रहता है। आप पर सूचना प्रकटीकरण में कंजूसी, चर्चाओं और संवाद में अड़ियल रवैया अपनाने और सबसे दुखद यह कि सार्वजनिक संवाद में आपके द्वारा लड़ाकू रुख रखने के आरोप लगते हैं। इन दिनों आलोचकों को चुप कराने के लिए नियम-पुस्तिका का वास्ता देना एक प्रकार से नैतिकतावादी हथकंडा बन गया है। नियम-पुस्तिका न्यूनतम और बुनियादी मानकों को सुनिश्चित करने के लिए होती है।

करोड़ों लोगों पर उनका नाम कटने की चिंता तारी है। इस प्रक्रिया के शुरू होने के दो हफ़्ते बाद भी, कई लोगों को मतदाता आवेदन फ़ॉर्म तक नहीं मिले हैं। अपनी पात्रता सिद्ध करने को मतदाताओं के एक बड़े हिस्से के पास आपके आयोग द्वारा तय किए गए 11 दस्तावेज़ों में एक भी नहीं है। आमतौर पर जारी

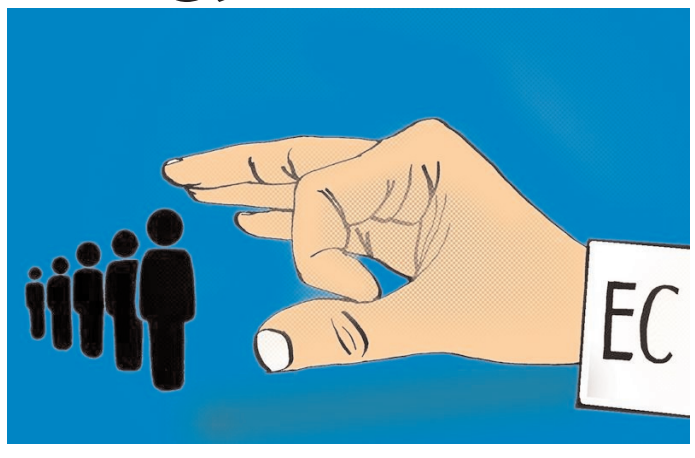

किए जाने वाले पहचानपत्र, जिनमें वोटर कार्ड भी शामिल है, को सत्यापन हेतु बेवजह अवांछित बना दिया है। इस मामले में जारी अस्पष्ट निर्देश आम लोगों के रोज़मर्रा के जीवन में और अधिक ऊहापोह मचा रहे हैं, जो उन्हें नौकरशाही के अंधे फैसलों के दौर से गुज़रने के लिए मजबूर कर रहा है।

जिस देश में सरकार ने नागरिकता संबंधी कोई दस्तावेज़ ही जारी नहीं किया हो, वहां आप उनसे इस संदर्भ में, अत्यंत सटीक एवं संकीर्ण विकल्पों से अपनी नागरिकता सिद्ध करने के लिए कह रहे हैं। उनका वजूद है, यह वह पहले ही साबित कर चुके हैं (आधार कार्ड, राशन कार्ड, मनरेगा प्रमाणीकरण इत्यादि से), ये दस्तावेज जाने-माने हैं (ऐसी कई उपभोक्ता शिनाख्त प्रक्रियाएं हैं जिनके बिना आप इन दिनों फ़ोन नम्बर तक नहीं ले सकते या एक रुपया भी इधर-उधर नहीं भेज सकते), और फिर ये वही मतदाता हैं, जिन्होंने एक साल पहले ही अपनी पसंद की सरकार को वोट दिया था। बेशक, स्वच्छ चुनावों के लिए मतदाता सूची को अपडेट करना ज़रूरी है, लेकिन बिहार में वर्तमान विशेष गहन पुनरीक्षण बेहद दोषपूर्ण और संभवतः अलोकतांत्रिक प्रतीत होता है।

जब मैंने पहले आम चुनावों की अध्यक्षता की थी, तो हमें साजो-सामान पहुंचाने और बुनियादी ढांचा संबंधी भारी बाधाओं का सामना करना पड़ा था। फिर भी हमने यह सुनिश्चित किया कि देश के सबसे दूरदराज इलाकों में रहने वाले गरीब से गरीब नागरिकों का न केवल पंजीकरण हो, बल्कि उन्हें मतदान में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित भी किया जाए। यह एक नैतिक और संवैधानिक प्रतिबद्धता थी। कृपया यह याद रखना कि यदि मतदाता सूची से नाम काटने का औजार बन जाए, तो यह करके चुनाव आयोग न केवल जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, बल्कि हमारे संविधान के अनुच्छेद 326 की मूल आत्मा का भी उल्लंघन करने का दोषी होगा।

दुखद है कि चुनाव आय संस्था, जिसे हमने कार्यपालि के अतिक्रमण के खिलाफ सुरक्षा कवच के रूप में गढ़ा की राजनीतिक तटस्थता पर प्रश्न लगे हैं। लेकिन सार्वजनिक संस्था के जीवन धारणा और विश्वसनीयता उ ही महत्वपूर्ण हैं जितनी कार्रवाई। यहां चुनाव आय लोकतंत्र का प्रहरी है। इसे या पक्षपातमुक्त स्वर बोलना चाहिए। सब बढ़कर, इसे अंतिम मतद का विश्वास जीतना चाहि सुनिश्चित हो कि आप प्रत्येक कार्य, कथन अ निर्णय आयोग की निष्पक्ष को पुष्ट करने वाला रहे। य वर्तमान सरकार सीमा करती है, तो यह आप ज़िम्मेदारी है कि आप संकोच सहित नहीं, बल्कि संवैधानिक साहस के स खींचकर वापस ला इतिहास उन चुनाव आयु को याद करेगा, जिन्हें शक्तिहीन मतदाता की र की।

संपादकीय

निरंकुश नहीं आजादी

कथित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एंटी सोशल अभिव्यक्ति के चलते उपजी विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश की जरूरत बताते हुए देश की शीर्ष अदालत ने आत्म-नियमन की जरूरत बतायी है। दरअसल, जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की पीठ, एक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर विचार कर रही थी, जिस पर धर्म विशेष के देवी-देवताओं के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट के चलते कई राज्यों में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अदालत का कहना था कि नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का मूल्य समझना चाहिए। साथ ही इस अधिकार का इस्तेमाल करते हुए आत्म-संयम बरतना चाहिए। कोर्ट ने चेताया है कि यदि सोशल मीडिया पर विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश नहीं लगता तो सरकार को हस्तक्षेप करने का मौका मिलता है। जो एक अच्छी स्थिति नहीं होगी। निस्संदेह, समाज में विद्वेष व नफरत फैलाने वाले संदेश समरसता के भारतीय परिवेश के लिये गंभीर चुनौती बने हुए हैं। यही वजह है कि कोर्ट को कहना पड़ा कि वह नियमन के लिये दिशा-निर्देश जारी करने पर विचार कर रही है। दरअसल, अदालत का मानना था कि संविधान के अनुच्छेद 19(2) के तहत मिली आजादी असीमित कदापि नहीं है। यदि उससे सामाजिक समरसता में खलल पड़ता है तो सरकार को दखल देने का मौका मिलता है। जो कि एक लोकतांत्रिक देश के लिये अच्छा संकेत नहीं है। कोई नहीं चाहता कि उसकी अभिव्यक्ति की आजादी को सरकार नियंत्रित करे। सही मायनों में लोगों को समझना चाहिए कि देश की एकता व अखंडता बनाये रखना मौलिक कर्तव्य ही है। अदालत ने इस बाबत सवाल भी किया कि नागरिक स्वयं को संयमित क्यों नहीं कर सकते? कोर्ट का मानना था कि लोग तभी अभिव्यक्ति की आजादी का आनन्द ले सकते हैं जब यह संयमित ढंग से व्यक्त की जाए। शीर्ष अदालत की पीठ का मानना था कि नागरिकों के बीच भाईचारा होना चाहिए, तभी समाज में नफरत से मुकाबला किया जा सकता है। तभी हम गंगा-जमुनी संस्कृति के समाज का निर्माण कर सकते हैं।

वैसे कई राज्यों में स्वतंत्र अभिव्यक्ति के नियमन को लेकर सरकारी कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। कई जगह विचारों की अभिव्यक्ति व कार्टून आदि बनाने को राजनीतिक दुराग्रह बताते हुए लोगों को गिरफ्तार तक किया गया है। जिसे सत्ताधीशों द्वारा बदले की भावना से की कार्रवाई बताया जाता रहा है। आरोप लगाया जाता रहा है कि सत्तारूढ़ दल की विचारधारा के अनुरूप अमर्यादित अभिव्यक्ति पर कोई एक्शन नहीं लिया जाता। लेकिन दूसरे राज्य में अन्य राजनीतिक दल की सरकार में यही अभिव्यक्ति अपराध बन जाती है। कहा जाता रहा है कि अभिव्यक्ति की आजादी द्वारा किसी मर्यादा को भंग करना घटिया या आपत्तिजनक तो हो सकता है लेकिन इसे अपराध की श्रेणी में नहीं रखा जाना चाहिए। इसे कानून के आलोक में देखा जाना चाहिए। यह निर्विवाद सत्य है कि विभिन्न राजनीतिक दलों व संगठनों द्वारा सोशल मीडिया मंच का जमकर दुरुपयोग किया जाता रहा है। वहीं लोगों का कसूर यह है कि दल विशेष के एजेंडे वाली सामग्री को वे बिना पढ़े, दूसरे लोगों व समूहों में शेयर कर देते हैं। दरअसल,आम नागरिकों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए कि सोशल मीडिया पर उनका संयमित व्यवहार कैसा होना चाहिए। बहुत से लोगों को यह पता नहीं होता है कि सोशल मीडिया पर शेयर की जा रही सामग्री की कितनी संवेदनशीलता है। कई लोग जाने-अनजाने में ऐसी सामग्री दूसरे व्यक्तियों व समूहों में शेयर कर देते हैं जो समाज विरोधी हो सकती है। दरअसल, वे उसकी मूल सामग्री को बनाने वाले के छिपे एजेंडे को नहीं भांप पाते। कभी-कभी भावावेश में लोग ऐसे कदम उठा देते हैं। निस्संदेह, कोई भी व्यक्ति भावनात्मक दुर्बलताओं से मुक्त नहीं होता, लेकिन फिर भी उसे शेयर की जा रही सामग्री की तार्किकता पर मंथन जरूर करना चाहिए। दरअसल, सोशल मीडिया आज एक ऐसा अस्त्र बन गया है जो जरा सी चूक से घातक साबित हो सकता है। वास्तव में हर नागरिक को इतना सचेत व जागरूक होना जरूरी है कि वह विभिन्न स्रोतों से आने वाली सामग्री से जुड़ी मंशा को समझ सके। निस्संदेह, संयमित, तार्किक व सतर्क प्रतिक्रिया से हम अभिव्यक्ति के मौलिक अधिकार का आनन्द ले सकते हैं।

हम भी तो दोषी हैं राधिका की मौत के

जिस दिन राधिका की मां का जन्मदिन था, वह घर की साज-सज्जा कर रही थी। रसोई में खाना पका रही थी, उसी वक्त उसे तीन गोलियां मार दी गईं। एक पिता जिसने अपनी बेटी को टेनिस खेलना सिखाया था, उसे महंगे से महंगे रैकेट लाकर दिए थे, जब उसके कंधे में चोट लग गई, तो राधिका ने टैनिस एकेडमी खोल ली। वह खूब चलने लगी। पता चला कि इससे पिता जब बाहर निकलता, तो आसपास के लोग कहते कि तुम्हारी बेटी तो तुमसे ज्यादा पैसे कमाती है। तुम उसकी कमाई खाते हो।

क्षमा शर्मा

राधिका यादव, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बनना चाहती थी। उसने एक म्यूजिक वीडियो भी बनाया था। उसमें इनामुल हक नाम के लड़के ने काम भी किया था। इनामुल हक ने कहा कि मेरी न उससे कोई दोस्ती थी, न ही वीडियो बनाने के दौरान हमारी कोई बातचीत हुई। सवाल यह है कि इन दिनों सोशल मीडिया के जरिए जब तमाम युवा ग्लोबल हो गए हैं। तब कौन किससे बात कर रहा है, इसे कैसे रोका जा सकता है। वह कोई भी हो सकता है-हिंदू, मुसलमान, ईसाई। कैसा समाज बना रहे हैं हम। कहा जा रहा है कि पिता वीडियो बनाने से नाराज था। उसने राधिका से वीडियो डिलीट करने के लिए कहा था, लेकिन उसने मना कर दिया। एक लड़की अगर कुछ करना चाहती है, तो उसकी राह में इतने रोड़े क्यों हैं। खबरों में आ रहा है कि पिता पंद्रह दिनों से सोया नहीं था।

जिस दिन राधिका की मां का जन्मदिन था, वह घर की साज-सज्जा कर रही थी। रसोई में खाना पका रही थी, उसी वक्त उसे तीन गोलियां मार दी गईं। एक पिता जिसने अपनी बेटी को टेनिस खेलना सिखाया था, उसे महंगे से महंगे रैकेट लाकर दिए थे, जब उसके कंधे में चोट लग गई, तो राधिका ने टैनिस एकेडमी खोल ली। वह खूब चलने लगी। पता चला कि इससे पिता जब बाहर निकलता, तो आसपास के लोग कहते कि तुम्हारी बेटी तो तुमसे ज्यादा पैसे कमाती है। तुम उसकी कमाई खाते हो।

यह घटना गुड़गांव के उस पॉश इलाके में हुई, जिसे उत्तर भारत का साइबर सिटी कहा जाता है। चमचमाती इमारतों और बड़े बहुराष्ट्रीय निगमों के दफ्तरों से ये शहर भरा पड़ा है। लेकिन इन सबसे क्या होता है, जब मन में कुछ और चल रहा हो। बेटी की कमाई पिता के लिए इतनी अपमानजनक बने कि उसकी हत्या करनी पड़े। बजाय इसके कि उसकी कमाई और कुछ करने के जज्बे की तारीफ की जाती, गर्व किया जाता, उसे मौत दे दी गई। क्यों भला। जो लड़की राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी हो, उसे इतनी भी आजादी नहीं कि वह कोई वीडियो बना सके। एकेडमी खोल सके। आखिर जो बातें उसकी तारीफ का कारण बनतीं, वे जान लेने का कारण कैसे बन गईं।

प्रॉपर्टी डीलर का व्यवसाय करने वाले पिता का कहना है कि वह पड़ोसियों के तानों से तंग आ चुका था। उसने राधिका से कहा था कि घर में पैसे की कोई कमी नहीं है, वह एकेडमी बंद कर दे, मगर वह नहीं मानी।

आखिर वह क्यों मानती। इन दिनों कोई भी एकेडमी चलाना आसान बात नहीं है। मात्र तीन महीने की अवधि में ही यदि यह एकेडमी चल निकली और अच्छी आय होने लगी, तो इसमें उस लड़की के कितने प्रयत्न और मेहनत लगी होगी। अफसोस कि जिस पिता ने उसे सपने दिखाना सिखाया था, उन्हें पूरा करने में मदद की थी, उसी ने अपनी बेटी की जान ले ली। उन ताने मारने वालों का तो कुछ नहीं गया। कायदे से तो पुलिस को उन्हें पकड़ना चाहिए। पिता के साथ-साथ राधिका की हत्या में ऐसे लोगों की भी समान भागीदारी है, जिनसे एक पचीस साल की लड़ की सफलता नहीं देखी गई। ईर्ष्या के भाव दूसरों की लड़की पर बिना कारण उंगली उठ जाने वाली सोच ने एक पूरे परिवार को बर्बाद क दिया। राधिका की मां पर क्या गुजर रही होग जिसने ऐन अपने जन्मदिन पर बेटी को खो दिय और उसकी जान लेने वाला कोई और नहीं उस पिता निकला।

इस लेखिका की मां जो आज एक सौ स वर्ष की होती, उसकी एक बात हमेशा याद रह वह कहती थी कि तुम कुछ भी करो, दुनिया उस खोट निकालेगी। इसलिए दुनिया की परवाह करके वह करो, जो तुम्हें ठीक लगता दरअसल, लड़कियों को यह महामंत्र सीख चाहिए। यदि स्त्रियों ने दुनिया की परवाह होती, तो आज वे हर क्षेत्र में सफलता के कीर्तिमान स्थापित न कर रही होतीं। रघुवीर सह के शब्दों में-पढ़िए गीता, बनिए सीता, फिर इ सब में लगा पलीता निज घर-बार बसाइए। मह लेखिका महादेवी वर्मा ने भी ऐसा ही बहुत कु लिखा है, लेकिन निज घर, बार में भी चैन कह कभी ससुराल में मौत, तो कभी अपने ही मात पिता द्वारा दी गई मौत। हरियाणा के सोनीपत ही बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा दिया ग था। इससे बहुत कुछ बदला, लेकिन राधिका हत्या ने जैसे हिलाकर रख दिया। राधिका जीवन गया, पिता जेल में सड़ेगा, ऐसे में बा परिवार का क्या होगा, मां क्या करेगी, कौन जा

लड़कियों को जिन कठिनाइयों का साम विवाह के बाद करना पड़ता है, वे तो हैं ह लेकिन अपने परिवार में भी तो उन्हें कोई क कठिनाइयां नहीं झेलनी पड़तीं। धर्म और विज्ञ का कैसा घालमेल है कि जिस अमीनोसेंटेसि टैस्ट और अल्ट्रासाउंड को मनुष्य के अंदरू रोगों को देखने के लिए बनाया गया था, उस मदद लेकर लड़कियों को मारा जाने लग अमीनोसेंटेसिस तो फिर भी महंगा टैस्ट थ अल्ट्रासाउंड ने तो इसे और आसान बना दिय पश्चिमी देशों में इसीलिए भारतीय माता-पिता पर शक किया जाता है। उन्हें यह नहीं बताया जा कि गर्भ में लड़का है या लड़की। क्योंकि क डाक्टर मानते हैं कि भारतीय माता-पिता लड़ होने वाली है, यह पता चलते ही, उससे निज पाने की कोशिश करते हैं। कई दम्पतियों कहना है कि यह सुनकर उन्हें बहुत शर्मिंद महसूस होती है। क्योंकि अन्य देशों के लोगों बच्चों का लिंग बता दिया जाता है। फिर लड़ पैदा होते ही मातम मनाना, उसकी शिक्षा में भेदभाव, इलाज में भी, जन्मते ही यह उपदेश उसे तो पराये घर जाना है, आदि बातें लड़कि का कैसा मानस बनाती हैं कि वे हर तरह शोषण को अपना भाग्य मान लेती हैं।

ढीठ पुलों के दौर में अफसरी की फजीहत

अतुल कनक

बरसात के दिन आ गये हैं। बहुत सारी जगह बादल खुलकर बरसे हैं। भारी बारिश को देखकर सड़कों वाले विभाग के साहब के चेहरे पर भी खुशियां नाचने लगी हैं। साहब तो शुरू से मानते हैं कि बरखा आती है तो अपने साथ कई संभावनाएं लेकर आती है। यह उन दिनों की बात है, जब साहब कॉलेज जाने लगे थे। बरखा नाम की एक लड़की से उन दिनों उनकी आंखें लड़ गई थीं। हालत यह हो गई थी कि वो-'मैं कहीं बादल न बन जाऊं, तेरे प्यार में ए बरखा' टाइप की शायरी भी करने लगे थे। लेकिन बाद में उन्हें समझ में आया कि बादल बनने से अच्छा है, अफसर बनना। बरखा के भाई ने घुड़की पिलाई तो साहब ने कविताई छोड़ दी। अच्छा ही हुआ। साहब अब सोचते हैं। कविताई में ऊपर की कमाई की कोई संभावना ही नहीं होती। कविताई से किसी ने क्या पा लिया?

अब साहब का मन तो यह खबर सुनकर खिला हुआ था कि उनके इलाके में भारी बारिश हुई है और आगे भी भारी बारिश होने की संभावना है। अब लोकतंत्र इतना पारदर्शी तो नहीं हुआ है कि लगातार बारिश हो और इलाके का कोई पुल ही नहीं गिरे। बस्तियों की सड़कों में खड्डे ही नहीं हों। साहब को पता था कि कौन-कौन से पुल गिरने वाले हैं और कौन-कौन सी सड़कें धंस सकती हैं। साहब ने तो अपने लोगों को यह तक निर्देश दे दिये थे कि पुल गिरने की स्थिति में उसकी तुरंत मरम्मत की योजना की फाइल बना लें और संबंधित ठेकेदारों से सब तय कर लें। जब पुल बने थे, तब भी साहब की जेबों में हरियाली गई थी। अब, जब पुल गिर जाएंगे तो भी साहब की जेबें हरियाएंगी।

यह रिश्वत नहीं है। लोकतंत्र के विकास में साहब के योगदान को देखते हुए ठेकेदारों द्वारा दिया गया थोड़ा-सा सम्मान है। बारिश ने साहब को बहुत उदार बना दिया था। उन्होंने अपने मुंह लगे बाबू से कह दिया था कि यदि दो के बजाय चार पुल गिरें तो वो उसे सैकंड हैण्ड कार खरीदने के पैसे दे देंगे। उन्होंने अपनी पत्नी से भी पूछ लिया था कि बरसात के बाद वो स्विट्ज़रलैंड घूमना चाहेगी या अमेरिका? कल रात को सोने से पहले साहब ने सुना था कि उनके इलाके का एक पुल थरथराने लगा है। वो खुश हुए। उन्होंने अपने भी अफसर को बताया कि 'यह पुल चोर था साहब। आप तक का हिस्सा दिये बिना खड़ा हो गया। अब आप तो जानते हैं कि चोरों के पांव कच्चे होते हैं। ज़रा-सा सच सामने आते ही कांपने लगते हैं। बरसात का पानी किसी सच से कम नहीं होता। पुल कांप रहा है तो अपनी मौत खुद मरेगा सर, उसे कब तक बचा सकते हैं?' ले साहब के दुर्भाग्य से पुल बच गया नहीं गिरा। साहब ने पुल के गिरने खबर पढ़ने के लिये अपने मोबाइल संदेश टटोले, अखबार को बार-पलटा, टीवी पर चैनल बदले लेकिन उन्हें वह सब नहीं मिला, जो वो च चाहते थे। उन्हें मातहत ने बताया कि देर तक तो लोगों की जान सांसत में रही लेकिन उसके बाद पुल को पता क्या हुआ कि उसने कांपना बंद दिया। साहब ने फोन बंद किया और सांस लेते हुए बोले, 'हैरानी है। अब पुल भी ढीठ हो गये हैं।'

शेख हसीना युग के बाद भारत से दोस्ताना संबंध चाहती है बीएनपी, पार्टी के वरिष्ठ नेता का बयान

ढाका

बांग्लादेश की शीर्ष राजनीतिक पार्टी बीएनपी के एक बड़े नेता ने कहा है कि वे भारत के साथ अच्छे संबंध रखना चाहते हैं। बीएनपी नेता और पार्टी के कानूनी मामलों के सचिव केसर कमाल ने कहा कि %बीएनपी एक ऐसी पार्टी है, जो सभी के साथ दोस्ती करने और किसी से दुश्मनी न करने में यकीन रखती है। यही हमारी विचारधारा है, जिसे पूर्व राष्ट्रपति शहीद जियाउर रहमान ने पेश किया था। भारत हमारा बड़ा पड़ोसी है, इसलिए बीएनपी, गरिमा, दोस्ती और एकता को बनाए रखते हुए सभी के साथ मिलकर काम करना चाहेगी।% न्यूज एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में केसर कमाल ने कहा कि बेशक बांग्लादेश में अभी राजनीतिक पार्टियों के बीच आपसी मतभेद हैं, लेकिन उन्हें उम्मीद जताई कि मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार देश में मुक्त, निष्पक्ष और समावेशी चुनाव कराने में सफल रहेगी। केसर कमाल ने कहा %5 अगस्त को शेख हसीना के देश छोड़कर जाने के बाद मोहम्मद यूनुस सभी राजनीतिक पार्टियों के सहयोग से सरकार चला रहे हैं। सभी पार्टियों ने एकराय होकर मोहम्मद यूनुस से अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने की अपील की थी। बीएनपी को विश्वास है कि अंतरिम सरकार निष्पक्ष और मुक्त चुनाव कराने में सफल होगी।

बीएनपी नेता ने ये भी कहा कि उनकी पार्टी बहु-राजनीतिक पार्टी व्यवस्था में यकीन करती है। उन्होंने कहा कि अभी अवामी लीग स्थगित चल रही है और ये कार्यकारी सरकार का फैसला है, लेकिन एक राजनीतिक पार्टी होने के नाते बीएनपी हमेशा से बहु-राजनीतिक पार्टी व्यवस्था और लोकतंत्र में यकीन रखती है।

स्वैदा में हिंसक झड़पें, सेना और ड्रूज गुटों के बीच संघर्ष विराम टूटा; इस्राइल ने सीरिया को दी धमकी

दमिश्क

सीरिया के दक्षिणी स्वैदा प्रांत में एक बार फिर हिंसक झड़पें हुईं। इसके बाद सुरक्षा बलों और ड्रूज धार्मिक अल्पसंख्यक के मिलिशिया समूह के बीच हुआ संघर्ष विराम टूट गया। वहीं ड्रुजों पर हुए हमलों को लेकर इस्राइल ने कड़ी चेतावनी दी है। सीरिया के रक्षा मंत्रालय ने मिलिशिया पर युद्ध विराम समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सैन्य बल स्वैदा शहर के अंदर आग के स्रोत पर कार्रवाई जारी रखे हुए हैं। जबकि निवासियों की सुरक्षा, नुकसान को रोकने और शहर छोड़कर चले गए लोगों की सुरक्षित घर वापसी कराई जा रही है। यूके स्थित वॉर मॉनिटर %सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स% के मुताबिक, झड़पों की शुरुआत तब हुई जब एक ड्रूज सब्जी विक्रेता को एक बेदुइन कबीले ने अपहरण कर लूट लिया।

इसके बाद दोनों पक्षों के बीच एक के बाद एक अपहरण और जवाबी हमले शुरू हो गए। यही हिंसा बड़े संघर्ष में बदल गई।बुधवार को सरकारी बलों की भी ड्रूज़ सदस्यों के साथ झड़प हुई। जबकि सुरक्षा बलों के सदस्यों के गैर-न्यायिक हत्याएं करने, लूटपाट करने और नागरिक घरों को जलाने की खबरें सामने आई हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, इन झड़पों में कम से कम 30 लोगों की मौत हो चुकी है जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। वहीं ब्रिटेन स्थित युद्ध निगरानी संस्था सीरियन ऑब्ज़र्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने बताया कि बुधवार सुबह तक 250 से ज़्यादा लोग मारे जा चुके थे, जिनमें चार बच्चे, पांच महिलाएं और 138 सैनिक और सुरक्षा बल शामिल थे।

इस्राइल ने दी धमकी

संघर्ष शुरू होने के बाद से इस्राइल ने सीरिया की सेना के काफिलों पर हवाई हमले किए। इस्राइल ने कहा कि वह ड्रूज़ की रक्षा के लिए ऐसा कर रहा है। इस्राइल के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज़ ने कहा कि इस्राइली सेना शासन बलों पर तब तक हमला करती रहेगी जब तक वे क्षेत्र से वापस नहीं चले जाते और यदि संदेश नहीं समझा गया तो जल्द ही शासन के खिलाफ प्रतिक्रिया का स्तर बढ़ा दिया जाएगा।

ड्रूज समुदाय को वफादार मानता है इस्राइल

इस्राइल में ड्रूज समुदाय को आमतौर पर एक वफादार अल्पसंख्यक माना जाता है, और वे इस्राइली सेना में भी सेवा करते हैं। सीरिया के विदेश मंत्रालय ने सभी देशों से अपील की है कि वे सीरिया की संप्रभुता का सम्मान करें और किसी भी विद्रोही या अलगाववादी गतिविधियों का समर्थन न करें।

साथ ही, सीरियाई लोगों से कहा गया है कि वे हिंसा बंद करें, हथियार डालें और देश में फूट डालने वालों को नाकाम करें।

चीनी विदेश मंत्री वांग ने पांच सूत्री सुझाव दिए, अच्छे पड़ोसी बनने पर जोर

तियानजिन

शंघाई सहयोग संगठन (स्ष्ठह) के विदेश मंत्रियों की बैठक चीन के तियानजिन में हो रही है। एससीओ के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों में भारत से डॉ जयशंकर, रूस से लावारोव समेत कई दिग्गज पहुंचे हैं।

चीनी विदेश मंत्रालय ने बताया कि बैठक के दौरान देश के विदेश मंत्री वांग यी ने सभी सदस्य देशों के समक्ष पांच अहम सुझाव पेश किए। इसका मकसद भविष्य की यात्रा को लेकर रूपरेखा तैयार कहना है। वांग ने सदस्य देशों से %शंघाई भावना% को आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने संगठन के बीच सामंजस्य, एससीओ की कार्रवाई और अपील को बढ़ावा देने का आह्वान भी किया।

चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा, हम सभी को अच्छा काम कर सफलता हासिल करने के प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि एससीओ को आपसी सम्मान, निष्पक्षता, न्याय का ध्यान रखना चाहिए।

भिखारियों के विवाद में क्यूबा की मंत्री की छिन गई कुर्सी, भारी विरोध के बाद देना पड़ा इस्तीफा

हवाना

क्यूबा में श्रम मंत्री ने भिखारियों को लेकर ऐसा बयान दे दिया कि पूरे देश में इसे लेकर हंगामा हो गया और आखिरकार मंत्री को इस्तीफा देना पड़ा। क्यूबा के राष्ट्रपति ने भी बयान की आलोचना की।

विरोध इतना ज्यादा था कि राष्ट्रपति को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर श्रम मंत्री के इस्तीफे की जानकारी देनी पड़ी। दरअसल श्रम मंत्री मार्ता एलेना फीतो केबरेरा ने अपने बयान में कहा कि देश में कोई भिखारी नहीं है और लोग सिर्फ भिखारी होने का दिखावा करते हैं। मार्ता एलेना फीतो केबरेरा ने सोमवार को नेशनल असेंबली समिति के सामने कहा कि %हमने लोगों को देखा है, जो भिखारी होते हैं, लेकिन अगर आप उनके हाथ या उनके कपड़े देखें तो ऐसा लगता है कि वे भिखारी होने का दिखावा कर रहे हैं। वे असल में भिखारी नहीं हैं।

पाकिस्तान के पंजाब में मूसलाधार बारिश का कहर, पिछले 24 घंटे में नौ की मौत; 90 से ज्यादा घायल

लाहौर

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में तेज बारिश का कहर देखने को मिल रहा है। बात अगर पिछले 24 घंटे की करें तो भारी बारिश के कारण कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई। वहीं 90 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट की माने तो पंजाब प्रांत के बहावलनगर में तीन बच्चों की मौत हो गई और 17 लोग घायल हुए। ओकारा में दो किशोर, जिनमें एक लड़की भी शामिल है, की मौत हुई और 12 लोग घायल हुए। लाहौर में भी बारिश के कारण तीन मौतें हुईं और आठ लोग घायल हुए। भक्कर जिले में एक व्यक्ति की मौत और तीन लोग घायल हुए। इसके अलावा, कई अन्य जिलों में भी बारिश के चलते जबरदस्त तबाही मची है। इनमें पाकपटन में तीन, सहिवाल में चार, फैसलाबाद और मुजफ्फरगढ़ में दो-दो, टोबा टेक सिंह में चार, कसूर में तीन, गाजी खान में दो, राजन सियालकोट और मियांवाली एक-एक घायल होने की खबर हालांकि बारिश के कारण लाहौर तापमान में गिरावट आई और मौ सुहाना हो गया।

भारत के पास जिस तरह की प्रतिभा है, उसे लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट जीतना चाहिए था-सौरव गांगुली

लंदन

पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में भारत की हार पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा है कि इस टीम में असाधारण प्रतिभा होने के बावजूद उसे गलत नतीजे का सामना करना पड़ा। गांगुली का मानना है कि शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का बेहतर प्रदर्शन भारत को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज में बढ़त दिला देता।

भारतीय टीम तीसरे टेस्ट में जीत के लिए 193 रन का पीछा करते हुए लक्ष्य से 22 रन दूर रह गई। इस हार के साथ ही टीम पांच मैचों की सीरीज में 1-2 से पिछड़ गई। शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के लचर प्रदर्शन के बाद रविंद्र जडेजा (नाबाद 61) की अगुवाई में निचले क्रम के बल्लेबाजों से जिस तरह का संघर्ष दिखाया वह काबिले तारीफ था।

गांगुली ने इंडियन रेसिंग लीग और एफ 4 इंडिया चैम्पियनशिप कार्यक्रम के इतर कहा, %इस सीरीज में भारत के बल्लेबाजी के तरीके से थोड़ी निराशा हुई, उन्हें यह 193 रन बनाने चाहिए थे। जब आप जडेजा को इस तरह से संघर्ष करते हुए देखते है तो मुझे लगता है कि इस टीम में जो प्रतिभा है उससे खिलाड़ी मुझसे ज्यादा निराश होंगे। यह इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में 2-1 की बढ़त लेने का मौका था। मुझे यकीन है कि वे 190 तक नहीं पहुंच पाने से निराश होंगे, खासकर उनके ड्रेसिंग रूम में बल्लेबाजी की गुणवत्ता को देखते हुए।

गांगुली ने कहा कि अगर शीर्ष क्रम के बल्लेबाज थोड़ा बेहतर खेलते, तो परिणाम अलग होता। यशस्वी जायसवाल अपना खाता नहीं खोल पाए, जबकि शुभमन गिल (छह) और ऋषभ पंत (नौ) दोहरे अंक तक नहीं पहुंच पाए। केएल राहुल ने पारी का आगाज करते हुए 39 रनों की पारी खेली, लेकिन आखिर में जडेजा (61 रन नाबाद) अकेले पड़ गए। गांगुली ने कहा, अगर शीर्ष क्रम ने थोड़ा भी संघर्ष किया होता तो यह मैच भारत की झोली में होता।

बीसीसीआई के पूर्व प्रमुख ने जडेजा की असाधारण बल्लेबाजी की प्रशंसा करते हुए कहा, %जडेजा असाधारण रहे हैं, वह भारत के लिए तब तक खेलना जारी रखेंगे जब तक वह इस तरह बल्लेबाजी और प्रदर्शन करते रहेंगे। वह लंबे समय से टीम में हैं। उन्होंने लगभग 80 टेस्ट मैच और 200 से अधिक वनडे मैच खेले हैं। आप बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग करते हुए उनके अनुभव को महसूस कर सकते

सिराज के विकेट से याद आए श्रीनाथ, 1999 में पाकिस्तान के खिलाफ उसी तरह हुए थे आउट, भारत 12 रन से हारा था

नई दिल्ली

भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स टेस्ट ने रोमांच की सारी हदें पार कर दीं। पांचवें दिन आखिरी सत्र तक यह मैच चला। हालांकि, बेन स्टोक्स की इंग्लैंड टीम ने शुभमन गिल की टीम इंडिया को 22 रन से हराकर सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। भारत ने 82 रन पर सात विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद आखिरी के तीन बल्लेबाज, नीतीश रेड्डी, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने रवींद्र जडेजा के साथ मिलकर बेहतरीन बल्लेबाजी की। हालांकि, किस्मत को कुछ और ही मंजूर था।170 के स्कोर पर शोएब बशीर की गेंद पर सिराज के शानदार डिफेंस के बावजूद गेंद जमीन पर गिरकर रिवर्स स्पिन होकर विकेट से जा टकराई। ये किसी जादू जैसा था, क्योंकि फैंस ने कहा कि सिराज ने जिस तरह से डिफेंस किया, उससे बेहतर डिफेंस कोई क्या कर सकता है! हालांकि, सिराज के विकेट ने 1999 में चेन्नई में खेले गए भारत-पाकिस्तान टेस्ट की याद दिला दी। तब सकलैन मुश्ताक की गेंद पर जवागल श्रीनाथ भी कुछ इसी तरह आउट हुए थे। भारत वह मैच 12 रन से हार गया था। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो जमकर वायरल हो रहा है।भारत के महान स्पिनर अ चेन्नई में पाकिस्तान की टीम हारने वाली टीम का हिस्सा अनिल कुंबले को भी लॉ टेस्ट ने चेन्नई में पाकिस्तान खिलाफ टेस्ट की याद दिला जिसमें सचिन तेंदुलकर ने प दर्द के बावजूद 136 रन पारी खेली थी, लेकिन भारत टीम को 12 रन से हार सामना करना पड़ा था।

मामूली बढ़त के बाद हरे निशान पर बंद हुआ बाजार; सेंसेक्स 63 अंक चढ़ा, निफ्टी 25200 के पार

नई दिल्ली

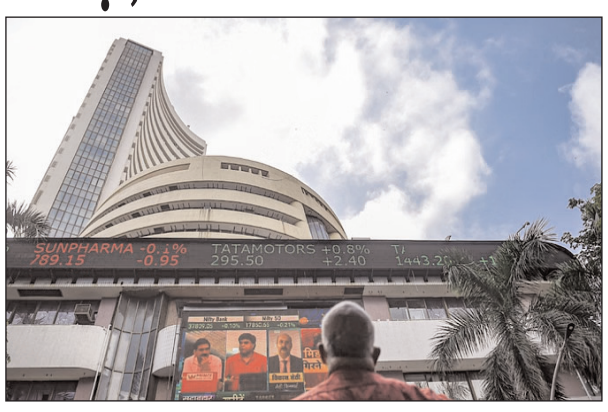

वैश्विक बाजार के कमजोर रुख और टैरिफ संबंधी अनिश्चितता के बीच बुधवार को शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 63.57 अंक या 0.08 प्रतिशत उछलकर 82,634.48 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसने 82,784.75 के उच्चतम और 82,342.94 के निम्नतम स्तर को छुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 16.25 अंक या 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,212.05 पर आ गया। क्या रहा सेंसेक्स कंपनियों का हाल? सेंसेक्स की कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, टेक महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, अदानी पोर्ट्स और आईटीसी प्रमुख लाभ में रहीं। वहीं इटर्नल, सन फार्मा, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, बजाज फाइनेंस और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल रहे।

महिंद्रा और इंफोसिस के शेयरों में तेजी

टेक महिंद्रा के शेयर बाजार बंद होने के बाद घोषित वित्तीय नतीजों से पहले 1.94 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 की जून तिमाही में कर-पश्चात समेकित लाभ में 30 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की। यह 1,128.8 करोड़ रुपये रहा। इंफोसिस में 1.5 प्रतिशत की तेजी आई, जिससे प्रमुख सूचकांक हरे निशान में बंद हुए।

बीएसई क्षेत्रीय सूचकांक की स्थिति

बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 0.28 प्रतिशत और मिडकैप सूचकांक 0.10 प्रतिशत चढ़ गया। बीएसई क्षेत्रीय सूचकांकों में बीएसई फोकस्ड आईटी 0.67 प्रतिशत चढ़ा, इसके बाद आईटी (0.66 प्रतिशत), सेवाएं (0.55 प्रतिशत), रियल्टी (0.50 प्रतिशत) और टेक (0.49 प्रतिशत) का स्थान रहा।

विश्व कप से पहले इंग्लैंड-न्यूजीलैंड से अभ्यास मैच खेलेगा भारत, पाकिस्तान टीम नहीं करेगी यात्रा

नई दिल्ली

भारत इस साल सितंबर-अक्तूबर में अपनी और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले महिला वनडे विश्व कप से पहले बंगलूरू में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगा। पाकिस्तान अपने अभ्यास मैच और विश्व कप मैच दोनों श्रीलंका में खेलेगा। यह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आपसी सहमति से तय किया है।भारतीय टीम पहला अभ्यास मैच बीसीसीआई के उत्कृष्टता केंद्र के मैदान पर 25 सितंबर को इंग्लैंड के साथ खेलेगी। दूसरा अभ्यास मैच विश्वकप शुरू होने से तीन दिन पहले 27 सितंबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ चिन्नास्वामी स्टेडियम में न्यूजीलैंड के साथ खेलेगी। पाकिस्तान केअभ्यास मैच 25 और 28 सितंबर को कोलंबो में श्रीलंका और श्रीलंका की ए टीमों के साथ होंगे। पचास ओवरों का विश्वकप 12 साल बाद भारतीय उपमहाद्वीप में हो रहा है। यह 30 सितंबर से दो नवंबर तक पांच शहरों बंगलूरू, गुवाहाटी, इंदौर, विशाखापत्तनम और श्रीलंका के कोलंबो में खेला जाएगा।

सोना 500 रुपये फिसलकर 98870 रुपये पर पहुंचा, चांदी 1000 रुपये टूटी

नई दिल्ली

स्टॉकिस्टों की बिकवाली के कारण बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ 500 रुपये घटकर 98,870 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई।अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने इसकी पुष्टि की है। मंगलवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली यह बहुमूल्य धातु 200 रुपए की गिरावट के साथ 99,370 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। इस बीच, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 400 रुपये गिरकर 98,400 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर आ गया। पिछले बाजार सत्र में यह 98,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।बुधवार को चांदी की कीमत 1,000 रुपये घटकर 1,11,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गई। मंगलवार को चांदी की कीमत 1,12,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। इसके विपरीत, वैश्विक बाजारों में सोना हाजिर 16.41 डॉलर या 0.49 प्रतिशत बढ़कर 3,341.37 डॉलर प्रति औंस हो गया।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ संबंधी नई धमकियों के कारण सोना बढ़कर 3,346 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। ट्रंप ने संकेत दिया है कि महीने के अंत तक फार्मा उद्योग पर शुल्क लगाया जा सकता है। इसके साथ ही अमेरिका सेमीकंडक्टर पर अतिरिक्त शुल्क लगाने पर विच कर रहा है।

कोटक सिक्योरिटीज कमोडिटी रिसर्च की एवी कायनात चैनवाला ने कहा, कना मैक्सिको और यूरोपीय संघ सि 25 देशों पर नए टैरिफ लागू होने कारण जोखिम उठाने की क्ष कम बनी हुई है। वैश्विक मोर्चे हाजिर चांदी करीब 1 प्रति बढ़कर 38.05 डॉलर प्रति औंस पहुंच गई।

वृद्धाश्रम का केयर टेकर मिला, नशे की हालत में..?

प्राधिकरण सचिव मयंक जायसवाल को मिली निरीक्षण में काफी खामियां, (मैनुअल के मुताबिक नहीं परोसा जा रहा था, वृद्धों को भोजन), जिम्मेदार अधिकारी / कर्मचारी सदैव रहते हैं, नदारद

ललितपुर (नि.प्र.)। शासन के द्वारा वृद्धों की दयनीय स्थिति को ध्यान में रखते हुये वृद्धाश्रम बनाये गये हैं शासन के द्वारा वृद्धाश्रम को चलाने के लिये हजारों रूपया पानी की तरह बहाया जा रहा हैं। वहीं उनके अधिकारी/कर्मचारी शासनादेशों को ठेंगा दिखा नशे की हालत में कार्य करते पाये गये। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जनपद न्यायाधीश नरेन्द्र कुमार झा के निर्देशों के क्रम में वृद्धजनों का हाल जानने के लिए रामनगर स्थित वृद्धाश्रम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव मयंक जायवाल को भेजा जिनके समक्ष तमाम कमियाँ उजागर हुई जिसे गम्भीरता से लेते हुए प्राधिकरण सचिव ने सम्बन्धित अफसरों को आवश्यक कार्यवाही के लिए पत्र लिखा।

रामनगर स्थित पण्डित दीनदयाल उपाध्याय वृद्धाश्रम मयंक जायसवाल प्राधिकरण के सचिव आकस्मिक पहुंचे एवं वृद्धाश्रम में वृद्धजनों की कुशलता के संबन्ध में जानकारी चाही तथा उनके कमरों, भोजनालय एवं अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया तो अनेक कमियां उजागर हुईं। वृद्धजनों को शासन की ओर से निर्धारित मेन्यू के आधार पर भोजनं नहीं दिया जा रहा था तथा पूर्व में निरीक्षण के निर्देशों भी पालन नहीं किया गया वृद्धजनों को उमस भरी गर्मी से निजात दिलाने के लिए आश्रम में लाइट एवं पंखों की व्यवस्था भी नहीं पाई गई तथा सफाई व्यवस्था बेहद खराब पायी गयी। कर्मचारियों की उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किए जाने पर एक कर्मचारी के 15 दिनों से उपस्थिति पंजिका पर हस्ताक्षर नहीं पाए गए।

उपस्थिति रजिस्टर पर दर्ज नहीं थी आश्रत के स्टॉक रजिस्टर के निरीक्षण में भी कई अनेक अनियमित्ताएं पाई गयीं। यही नहीं आश्रम केयर टेकर दामोदर शर्मा निरीक्षण के दौरान नशे की हालत में पाए गए। इसे गम्भीरता से लेते हुए उच्च अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देश दिये गये। प्राधिकरण सचिव को मैनुअल के मुताबिक भोजन नहीं मिला तथा अधिकारी/कर्मचारी भी अपनी मनमर्जी से कार्य करते पाये गये आश्रम की सफाई व्यवस्था भी खराब पायी गयी।

चिन्तनीय विषय है कि जिले के जबावदेह अधिकारी मात्र खानापूर्ति करते देखे जाते हैं उनके द्वारा कभी भी वृद्धाश्रम में जाकर वृद्धाश्रम में वृद्ध पुरूष एवं महिलाओं की दयनीय स्थिति एवं भोजन इत्यादि के साथ साथ आश्रम के तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनकी कार्यशैली कभी नहीं जांची गयी। यदि प्राधिकरण सचिव आकस्मिक निरीक्षण करने वृद्धाश्रम न जाते तो शायद वृद्धाश्रम की पोल भी नहीं खुलती।

शासन के पैसे का खुलेआम वृद्धाश्रम में दुरूपयोग हो रहा है एवं वहां पर कार्य करने वाली महिलायें भी मनमर्जी से आती जाती है जिन्हें कि कोई कहने सुनने वाला नही हैं अपने लिये वह अच्छा भोजन एवं अच्छी चाय बनाकर पीते कभी भी देखी जा सकती हैं आश्चर्यजनक बात तो यह है कि आश्रम का केयरटेकर दामोदर शर्मा नशे की हालत में था इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि वृद्धाश्रम किस तरह संचालित हो रहा होगा।

वरिष्ठ पत्रकार एवं दैनिक सांध्य पहल के ब्यूरो चीफ पं0 महेश प्रसाद शर्मा एड0 ने सूबे के मुख्यमंत्री महन्त योगी आदित्यनाथ को लिखे पत्र में अवगत कराया कि वृद्धाश्रम को शासन के द्वारा भेजे जा रहे पैसे से सदुपयोग कम, दुरूपयोग अधिक हो रहा है जिले के अधिकारी चिरनिद्रा में सोये हुये है इससे स्पष्ट होता है कि इस भ्रष्टाचार में वह भी लिप्त है। जिनकी जांच कराकर दोषियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही किये जाने की मांग की है।

साथ ही साथ वृद्धाश्रम में कार्यरत कर्मचारियों की भी शिथिलता ता/ लापरवाही देखने को मिली जिन्हें कि हटाकर उनके स्थान पर नये अधिकारी / कर्मचारी लगाये जायें तो शासान की मंशा के अनुरूप वृद्धों को मैनुअल के अनुसार भोजन मिल सकता है।

थाना मदनपुर के ग्राम बारई में दबंगो का आतंक

वाह रे लोकतंत्र, पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कराने के लिये पैसे

बारई (मदनपुर)(नि.प्र.)। सूबे के मुख्यमंत्री की लाख कोशिशों के बाबजूद भ्रष्टाचार पर नहीं लग पा रहा है अंकुश। रिपोर्ट दर्ज कराने को पुलिस मांगती है रूपया/पैसा। वाह रे लोकतंत्र, न्याय आखिर पीडितों को कब मिलेगा ? पुलिस की मनमानी, तानाशाही पर कसान नहीं लगा पा रहे हैं आखिर अंकुश क्यों ? मिली जानकारी के अनुसार ज्ञात हुआ है कि थाना मदनपुर के अन्तर्गत आने वाले ग्राम बारई में एक धानुक परिवार निवास करता है कि दिनांक 08.07. 2025 को इसी गांव के दंबगो द्वारा मामूली सी बात को लेकर एकराय होकर लाठी डंडो से हमला बोल दिया। बत्ते बरार की पत्नी रामदुलारी के साथ बदसलूकी एवं छेडखानी जैसे कृत्य किये गये। पीडिता अपनी जान बचाने को चिल्ला रही थी तो उसका पति अपनी पत्नी को बचाने को जैसे ही आगे आया दबंगो ने लाठी व डंडो से उस पर प्रहार कर दिया जिससे उसके हाथ की हडडी टूट गयी लेकिन दबंग फिर भी न माने और वह रहम की भीख मांगता रहा। दबंग कह रहे थे कि अभी तो यह मात्र ट्रेलर है फिल्म तो अभी बाकी है। यदि गांव में रहना होगा तो हमारी बात माननी होगी अन्यथा पलायन करने को मजबूर कर देंगे। पीडित के पति बरार का कथन है कि थाने में रिपोर्ट दर्ज करने के में 1,000 रू लेने के उपरान्त प्रार्थनापत्र लिया गया 14.07.2025 को पुलिस मौका मुआयना करने आय 3,000 रू जांच करने के ले लिये गये थे लेकिन श्री रामदुलारी के पति एवं उसकी किसी प्रकार की डाक्टरी नहीं करायी गयी। प्राइवेट डाक्टरी कराकर

पीडित पहुंचा कप्तान की चौखट

जिले के कप्तान के पास न्याय भीख मांगने गया वहीं मुल्जिमानें हौसले बुलन्द है और वह फि अनहोनी घटना को अंजाम देने फिराक में हैं पीडित ने कप्तान को दिये प्रार्थनाप लिखा है कि मेरे व मेरे परिवारजनों के साथ किसी बडी अप्रिय घटना के घटने से मना नहीं किया सकताहै। देखना है कि पुलिस कप्तान दबंगो के वि क्या कार्यवाही करते है एक तरफ मुख्यमंत्री का क कि दबंगो एवं भूमाफियाओं के विरूद्ध 24 घंटे अन्दर गिरफ्तार व जेल भेजा जायेगा लेकिन मुख्य के आदेश पुलिस के लिये हवाई साबित हो रहे है पर श्रीमती रामदुलारी पत्नी बत्ते बरार के हस्त बतलाये गये हैं।

अन्य राज्यों की भांति यूपी कोटेदारों ने मांगा लाभांश

समस्याओं के निस्तारण की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट में किया प्रदर्शन मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर उठायी कार्यवाही की मांग

ललितपुर (नि.प्र.)। उचित दर विक्रेताओं के सब्र का बांध उस समय टूट गया, जब पिछले छह माह का लाभान्श प्राप्त न होने और लाभान्श बढ़ाये जाने की मांगों को लेकर ऑल इण्डिया फेयर प्राइज शॉप डीलर एसोशियेशन ने कलेक्ट्रेट में जमकर प्रदर्शन किया। कोटेदारों ने प्रदर्शन करते हुये मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा। मुख्यमंत्री को कोटेदारों ने अवगत कराया कि वर्तमान में फोन से फीडबैक लिया जा रहा है, जिसमें कोटेदारों के विरोधियों से उल्टा-सीधा जबाव दिया जाता है और जिसे फोन जाता है उसे जानकारी नहीं होती। इन्हीं कारणों के चलते कोटेदार का शोषण बढ़ता है। मांग की है कि सरकार किसी एक विभाग से जांच कराये, जिससे कोटेदारों का शोषण रूक सके। इसके अलावा कोटेदारों का लाभांश खाद्यान्न पर 90 रुपये प्रति कुन्तल, चीनी पर 70 रुपये प्रति कुन्तल ही मिलता है, जबकि अन्य प्रदेशों में हरियाणा में 200 रुपये कुन्तल, गोवा में 200 रुपये कुन्तल, दिल्ली में 200 रुपये कुन्तल, गुजरात में 20 हजार रुपये न्यूनतम दिया जा रहा है। इसलिए कोटेदारों ने अन्य की भांति लाभांश दिये जाने की मांग उठायी। बताया कि शासनादेश अनुसार डोर स्टेप डिलीवरी गुणवत्ता युक्त खाद्यान्न कोटेदार के यहां पहुंच कर दिया जाये और पूर्व में सभी बकाया का भुगतान किया जाये। कोटेदारों द्वारा ऑनलाइन वितरण किया जा रहा है, जबकि सत्यापन अधिकारी, वितरण अधिकारी, वितरण प्रमाण पत्र, स्टॉक रजिस्टर बंद किया जाये, जबकि राज्य सरकार द्वारा पेपरलैस का आदेश दिया जाये। स्वयं सहायता समूह के दुकान संचालन में सभी जिम्मेवारी होती है, संचालक द्वारा भाड़ा, बिजली बिल, मजदूरी भी दी जाती है और कमीशन का रुपया भी संचालक के खाते में दिया जाये। साथ ही एमडीएम और आईसीडीएम के खाद्यान्न पर भी एनएफएसए खाद्यान्न की भांति कमीशन प्राप्त करें। इन समस्याओं के जल्द निस्तारण की मांग उठाते हुये कोटेदारों ने अन्यथा की स्थिति में माह अगस्त का वितरण प्रथम तीन दिन रोक दिये जाने की चेतावनी दी है। ज्ञापन देते समय जिलाध्यक्ष जुगल किशोर तिवारी, नगराध्यक्ष आलोक रिछारिया, संजय कटारे, नीरज जैन, सुमन बाई, सुमन पटैरिया, चन्द्रकांत, प्रताप सिंह के अलावा अनेकों कोटेदार मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री की युवा उद्यमी योजनाओं में भ्रष्टाचार के आरोप

जिलाधिकारी से जांच की मांग

ललितपुर (नि.प्र.)। जनपद के न्याय दूत संगठन अध्यक्ष रामबाबू चौबे ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को प्रेषित एक प्रार्थना पत्र में सीएम द्वारा युवाओं के लिए चलाई जा रही उद्यमिता योजनाओं के कार्यान्वयन में गहरे भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। उन्होंने पत्र में कहा है कि मुख्यमंत्री की योजनाओं में स्टार्टअप, मुद्रा और उद्यमिता विकास योजना के लक्ष्य को तोडने का काम जमीनी स्तर पर नियुक्त अधिकारी और कर्मचारी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि युवा उद्यमी जब सॉल्वेंसी और चरित्र प्रमाण पत्र हेतु आवेदन करते हैं, तो उन्हें महीनों तक सेवा शुल्क और दस्तावेजों की मांग के नाम पर लटकाया जाता है। पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि जब आवेदन मंजूर हो जाते हैं, तब भी संबंधित संस्थाएँ युवाओं से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से 4 से 10 हजार रुपये तक दान के नाम पर राशि वसूलती हैं, जो न केवल विधि-विरोधी है, बल्कि मुख्यमंत्री की योजना का मूल उद्देश्य यानी प्रदेश को आर्थिक रूप से सशक्त करना को प्रभावित करता है। उन्होंने ने न्याय सुनिश्चित करने और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने हेतु उच्च स्तरीय जांचकर दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर दण्डात्मक कार्रवाई की मांग की है। साथ ही, उन्होंने भविष्य में योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने हेतु नये दिशा-निर्देश जारी करने का आग्रह किया है। इस समाचार के प्रकाशन के बाद जिले के युवा उद्यमियों और नागरिकों में काफी हलचल मची हुई है। अधिकांश लोग चौबे की शिकायत से सहमत दिख रहे हैं, और प्रशासन तथा सरकार से शीघ्र एवं कड़ी कार्रवाई की अपेक्षा कर रहे हैं। जिलाधिकारी ने इस संबंध में फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। बताया गया है कि जांच अधिकारियों को सौंप दी गई है और सत्यापन के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। यह मुद्दा राज्य सरकार द्वारा युवाओं को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से चलाई जा रही योजनाओं की साख और विश्वसनीयता पर प्रहार है। आने वाले दिनों में अगर जांच निष्पक्ष और तेज हो तो मुख्यमंत्री योजना का मूल उद्देश्य उत्तर प्रदेश को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना पूरी तरह से सफल हो सकता है।

जिला न्यायालय इंदौर में आधार कैं आयोजित- 70 से अधिक पंजीयन पू

इन्दौर

प्रधान जिला एवं सत्र न्याय श्री अजय श्रीवास्तव तथा कलेक्ट आशीष सिंह के निर्देशानुसार जिल सत्र न्यायालय एवं तहसील न्याय में कार्यरत अधिकारियों/ कर्मच की सुविधा हेतु दो दिवसीय आ पंजीयन कैंप का आयोजन किया यह शिविर जिला ई-गवर्नेंस सोस द्वारा 15 एवं 16 जुलाई 2025 जिला न्यायालय इंदौर (नई बि कॉन्फ्रेंस हॉल) में आयोजित गया। कैंप में आधार सुपरव श्रीमती सपना मावर एवं श्री द्वारा अधिकारियों व कर्मचारियों से अधिक आधार पंजीयन किए

इस अवसर पर जिला ई-ग प्रबंधक श्री अतुल दुबे ने बताय शासकीय अधिकारियों कर्मचारियों को डिजिटल सेवाओं लाभ सरलता से दिलाने हेतु प्रकार के कैंप समय-समय आयोजित किए जाते हैं।

एससीएसटी आयोग सदस्य ने सुनी समस्याएं, दिया आश्वास

मंजीत करौसिया के आवास पर हुआ जोरदार स्वागत-सम्मान

आयोग सदस्य का निज निवास पर स्वागत करते मंजीत करौसिया

ललितपुर(नि.प्र.)। अनुसूचित जाति-जनजाति आयोग के सदस्य रमेशचंद्र कुंडे अपने दो दिवसीय दौरे पर ललितपुर पहुंचे। ललितपुर में आयोग सदस्य ने मलिन बस्ती का निरीक्षण किया और भी तमाम व्यवस्थाओं को देखा। सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुये समस्याओं के समयबद्ध तरीके से निस्तारण के निर्देश भी दिये। अपने भ्रमण कार्यक्रम के दौरान बाल्मीकि समाज के लोगों व नगर पा परिषद के कर्मचारियों ने एससीएसटी आ सदस्य रमेशचंद्र कुंडे का जोरदार स्वागत कि इस दौरान आयोग सदस्य को तिलक लगा फूलमालाएं पहनाकर, शॉल-श्रीफल भेंट हुये स्मृति चिह्न भी प्रदान किया गया। तदोप सफाई कर्मियों ने आयोग सदस्य रमेशचंद्र का मंजीत करौसिया के गांधीनगर स्थित निवास स्थान पर पहुंच कर भव्यता से स्व सम्मान किया।

साथ ही समाज की समस्याओं को आयोग सदस्य के समक्ष रखा, जिस पर आ सदस्य रमेशचंद्र कुंडे ने हर संभव मदद करने आश्वासन दिया। इस दौरान मंजीत करौसि उ.प्र.पंचायती राज ग्रामीण सफाई संघ आ विवेक सिंह, संजय करौसिया (संजू कस राजकुमार नाहर, कुंजबिहारी बाबरा, प्रि करौसिया, जितेन्द्र करौसिया, अभय करौसि बृजेश बाल्मीकि आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री जी के कुरवाई में प्रस्तावित दौरा कार्यक्रम की व्यवस्थाओं और तैयारियों का जायजा

कलेक्टर ने कुरवाई पहुंचकर की बैठक, दिए दिशा निर्देश

विदिशा कांस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का कुरवाई विधानसभा क्षेत्र में प्रस्तावित दौरा कार्यक्रम के मद्देनजर किए जाने वाले प्रबंधो के परिपेक्ष में की जा रही तैयारियों का जायजा कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने कुरवाई में समीक्षा बैठक के माध्यम से लिया है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि हितग्राहीमूलक योजनाओं से लाभान्वित होने वाले हितग्राही उक्त कार्यक्रम में अनिवार रूप से उपस्थित हो के पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित किये जाएं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री जी द्वारा कार्यक्रम स्थल पर जिन निर्माण कार्यों का लोकार्पण शिलान्यास किया जाना है उन कार्यों की सूची तैयार की जाए और कार्यक्रम स्तर पर हितग्राहियों को हित लाभ वितरण के लिए विभागवार हितग्राही का चयन किया जाए। कार्यक्रम सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हो इसके लिए किए जाने वाले प्रमुख प्रबंध तथा वैकल्पिक व्यवस्थाओं पर चर्चा कर निर्णय लिए गए हैं।

बी-पैक्स थनवारा समिति की एफ.आई.आर. दर्ज कराने मे

पीसीएफ के जिला प्रबंधक एवं ए.आर. कार्पोरेटिव बने चकरघन्नी, आखिर सचिव व केन्द्र प्रभारी की एफआईआर में देरी का कारण क्या नहीं ?

थनवारा (ललितपुर)(नि.प्र.)। बी-पैक्स साधन सहकारी समितियों में तैनात सचिवों के द्वारा करोंडो का गबन घोटाला पद पर रहकर किया गया। कुछ संसार से अलविदा हो गये तो कुछ सेवानिवृत्त हो गये व कुछ वर्तमान में कार्यरत हैं। जब खेत की बारी ही खेत को खाने लगेगी तो फिर खेत कहां सुरक्षित रहेगा। विभागीय अधिकारियों की संलिप्तता भी इस ओर संकेत करती है। अगर ऐसा न होता तो करोंडो के गबन घोटाले सचिव न कर पाते। मिली जानकारी के अनुसार ज्ञात हुआ है कि बी-पैक्स थनवारा गेहूं क्रय केंद्र पर 55.87 लाख का खरीद गया 2,070 क्विंटल गेहूं एफसीआई की गोदाम में जमा नहीं किया गया। पीसीएफ के जिला प्रबंधक ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर आरोपी सचिव और केंद्र प्रभारी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की है। पीसीएफ के जिला प्रबंधक आनंद कुमार सिंह ने बताया कि वर्ष 2025-26 में गेहूं खरीद के दौरान क्रय एजेंसी पीसीएफ ने गनगौरा स्थित बी-पैक्स थनवारा में क्रय केंद्र संचालित किया था। जिसकी खरीद का केन्द्र प्रभारी रज्जन श्रीवास्तव को बनाया गया था। गेहूं खरीद 17 मार्च से शुरू होकर 15 जून को समाप्त हो गई थी। खाद्य एवं रसद विभाग के पोर्टल पर पांच जुलाई की रिपोर्ट के अनुसार क्रय केंद्र बी-पैक्स थनवारा की कुल खरीद 73 किसानों से 5,719,50 क्विंटल की गई है, जिसके सापेक्ष 3648.53560 क्विंटल गेहूं का प्रेषण भारतीय

(सचिव ने 2,070 कुन्तल गेंहू क्यों नहीं गोदाम में जमा किया ?)

खाद्य निगम के गोदाम में कर दिया गया था किन्तु 2070.96440 क्विंटल गेहूं का प्रेषण गोदाम में होना शेष है, जबकि गेहूं खरीद 15 जून से ही बंद है। समिति व केंद्र के सचिव एवं केंद्र प्रभारी को खरीद बंद होने के पूर्व ही अधिकारियों ने लगातार लिखित एवं मौखिक रूप से निर्देशित किया था इसके बाबजूद अवशेष गेहूं जमा नहीं किया गया था। कई नोटिस भी दिए गए लेकिन अभी तक गेहूं जमा नहीं कराया गया। पीसीएफ के जिला प्रबन्धक आनन्द कुमार एवं सहकारिता विभाग के अरविन्द मेहर सहायक आयुक्त/सहायक निबन्धक ने क्रय केंद्र का कई बार औचक निरीक्षण किया लेकिन गोदाम/क्रय केंद्र पर कुछ भी अवशेष नहीं है। जिला प्रबंधक ने पुलिस अधीक्षक मु0 मुश्ताक से आरोपी सचिव व केंद्र प्रभारी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने हेतु प्रार्थनापत्र दिया लेकिन थ्स् दर्ज न हो सकी थी। यह भी जानकारी मिली है कि निबन्धक सहकारी समितियां उ0प्र0 लखनऊ के द्वारा भी एफआईआर दर्ज न होने पर नाराजगी जताई है।

उन्होंने उपायुक्त/उपनिबन्धक सहकारी समितियां झांसी एवं सहायक आयुक्त/सहायक निबन्धक सहकारी समितियां ललितपुर से तत्काल एफआईआर दर्ज कराने हेतु आदेशित किया हैं पुलिस अधीक्षक मु0 मुश्ताक के द्वारा एफआईआर दर्ज न कराने की चर्चा जनपद में हवा की झोंखो की तरह फैल गयी है कि आखिर ऐसा क्या है कि गबन करने वाले केन्द्र प्रभारी एवं सचिव पर एफआईआर दर्ज नहीं की गयी। अगर ऐसा ही होता रहा तो वह दिन दूर न जब केन्द्र प्रभारियों को चाहे वह मूंगफली, म चना एवं गेंहू की खरीद ही क्यों न हो क्य उन्हें मालूम है कि जेल से एक सप्ताह बा बाहर आना ही है फिर लाखों का गबन कर चिन्ता किस बात की और वही जनपद में हो है। यही कारण है कि जनपद में लगभग करोड रूपयों का सचिवों द्वारा घोटाला गया है जिनके नाम आज भी बैलेन्स शीट डला है। अधिकारी मात्र खानापूर्ति एवं सु शुल्क लेकर मामले को दबा देते है और ट्रांसफर होकर अन्य जनपद को चले जाते है दिन दूर न होगा जब समितियों में एक दिन डालने को शासन मजबूर हो जायेगा।

डेटा-संचालित दृष्टिकोण का उद्देश्य दुर्घटना-प्रवण क्षेत्रों की पहचान करना, दुर्घटना पैटर्न को समझना और लक्षित सुरक्षा

अपर कलेक्टर की उपस्थिति में आईआरएडी, ई-डीएआर का प्रशिक्षण संपन्न

मुरैना,कांस। एकीकृत सड़क दुर्घटना डेटाबेस (आईआरएडी) और ई-विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट (ईडीएआर) परियोजना भारत में सड़क सुरक्षा में सुधार के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) द्वारा एक पहल है। यह सड़क दुर्घटना डेटा एकत्र करने, प्रबंधित करने, विश्लेषण करने और दृश्यीकरण के लिए एक केंद्रीकृत, डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाने पर केंद्रित है। इस डेटा-संचालित दृष्टिकोण का उद्देश्य दुर्घटना-प्रवण क्षेत्रों की पहचान करना, दुर्घटना पैटर्न को समझना और लक्षित सुरक्षा हस्तक्षेप विकसित करना है। यह प्रशिक्षण कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना के मार्गदर्शन में अपर कलेक्टर श्री सीबी प्रसाद की उपस्थिति में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार मुरैना में दिया गया। इस अवसर पर एसडीएम मुरैना श्री बीएस कुशवाह, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्रीमती अर्चना परिहार, पीडब्ल्यूडी, नगर निगम मुरैना, स्वास्थ्य, पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। यह प्रशिक्षण आईआरएडी, ई-डीएआर के परियोजना, जिला रोलआउट प्रबंधक श्री स्रजल शर्मा द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण के तौर पर उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटना की जानकारी का एक राष्ट्रीय डेटाबेस स्थापित करता है, जो खंडित और मैनुअल रिपोर्टिंग प्रणालियों का स्थान लेता है। यह परियोजना पुलिस कर्मियों के लिए एक मोबाइल एप्लीकेशन (आईआरएडी) का उपयोग करती है, जिससे वे दुर्घटना का विवरण, फोटो और वीडियो के साथ-साथ स्थान संबंधी डेटा भी दर्ज कर सकते हैं। ई-डीएआर (इलेक्ट्रॉनिक विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट) घटक सड़क डिजाइन और अन्य प्रासंगिक कारकों सहित विस्तृत दुर्घटना जानकारी के लिए एक संरचित प्रारूप प्रदान करने पर केंद्रित है। एकत्रित आंकड़ों का विश्लेषण डेटा एनालिटिक्स तकनीकों का उपयोग करके किया जाता है, ताकि दुर्घटना के प्रमुख बिंदुओं, योगदान कारकों और संभावित सुरक्षा सुधारों की पहचान की जा सके। विश्लेषण के परिणाम डैशबोर्ड के माध्यम से प्रस्तुत किए जाते हैं, जिससे प्राधिकारियों को प्रभावी सड़क सुरक्षा नीतियां और रणनीतियां तैयार करने में सहायता मिलती है। श्री स्रजल शर्मा ने बताया कि इस परियोजना का उद्देश्य साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने में सुविधा प्रदान करना है, जिससे लक्षित सड़क सुरक्षा हस्तक्षेप जैसे कि बुनियादी ढांचे में सुधार, यातायात प्रबंधन समायोजन और जन-जागरूकता अभियान को बढ़ावा मिल सके।इस परियोजना में यातायात पुलिस, लोक निर्माण विभाग और आईआईटी-एम जैसे अनुसंधान संस्थानों सहित विभिन्न हितधारकों के बीच सहयोग शामिल है।

आईआरएडी, ई-डीएआर एक व्यापक प्रणाली है, जिसे भारत में सुरक्षित सड़क वातावरण के लिए डेटा का लाभ उठाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों ने कई प्रश्न किये, जिसके उन्होंने बारी-बारी से जबाव प्रस्तुत किये।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने फूँका पुतला

मुरैना,कांस। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मुरैना ने फूँका पुतला नगर मंत्री श्रीराम उपाध्याय ने बताया की अभाविप की कार्यकर्ता रही सौम्याश्री ने दिनांक 13 जुलाई को बालेश्वर (ओडिशा) के एफ. एम. कॉलेज के विभागाध्यक्ष द्वारा की गई प्रताड़ना से आहत होकर आत्मदाह कर लिया। उसके चरित्र पर असंवेदनशील टिप्पणियों के कारण छात्रा ने यह गंभीर कदम लिया था।सौम्याश्री को न्याय दिलाने की माँग को लेकर अभाविप मुरैना इकाई ने प्रो. समीर का पुतला फूँका प्रॉपेसर को उचित कार्रवाई कर सजा दी जाए जिससे आगे किसी भी छात्रा के साथ ऐसा अन्याय न हो,जिसमे मुरैना नगर इकाई के कार्यकर्ता सचिन शर्मा , आशीष नगाइच , आदित्य दंडोतिया, पुष्पेंद्र मावई, मोनू राजौरिया, ऋत्तिक तोमर , अंकित उपाध्याय , नितिन तोमर , पुसकर दंडोतिया , शुभम दूबे , देवेश , नितिन , प्रशांत पाठक आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे !

व्यक्ति का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ खराब करता है नशा : वीरेश कुशवाह

दीप हायर सेकेंडरी स्कूल में नशा मुक्ति कार्यक्रम हुआ आयोजन

कैलारस। नशा मुक्ति अभियान को लेकर दीप हायर सेकेंडरी स्कूल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया वही बच्चों एवं स्कूल स्टाफ नशा मुक्ति को लेकर को शपथ भी दिलाई गई कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी वीरेश कुशवाह, उप निरीक्षक संतोष गौतम, भाजपा मंडल अध्यक्ष कुलदीप सिंह, पूजा सिकरवार सहित अन्य लोग मौजूद रहे वहीं थाना प्रभारी वीरेश कुशवाहा ने बताया कि कहा कि नशा न केवल व्यक्ति का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य खराब करता है बल्कि यह परिवार और समाज पर भी गहरा प्रभाव डालता है। पुलिस विभाग का प्रयास है कि अधिक से अधिक लोग नशे के दुष्परिणामों को समझें और इससे दूर रहें। युवाओं को विशेष रूप से इससे बचाने के लिए हम लगातार जनजागरूकता कार्यक्रम चला रहे हैं। वही विद्यालय में उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं स्टाफ से कहा कि आप लोग भी नशा मुक्ति अभियान के हिस्सा बने और जागरूकता अभियान चलाएं कि नशे के खिलाफ एकजुट होकर लड़ाई लड़ें और एक स्वस्थ, जागरूक और सशक्त समाज की ओर कदम बढ़ाएं।नशा मुक्त समाज की दिशा में जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से पुलिस विभाग द्वारा नशा मुक्ति रैली एवं शपथ कार्यक्रम का आयोजन किये जा रहे है वही उन्होंने कहा कि नशा की जड़ होता है इस और हमें ध्यान देना होगा और अपने कैलारस शहर को नशा मुक्त बनाना होगा वही उप निरीक्षक संतोष गौतम ने कहा कि नशे से आए दिन झगड़ा होते हैं वहीं छोटे-छोटे बच्चों पर इसका गलत प्रभाव पड़ता है नशे के कारण कहीं घटना ही भी घटित हो चुकी है हमें अपने घर आसपास के क्षेत्र में नशा बनाना होगा इसी को लेकर हायर सेकेंडरी स्कूल में कार्यक्रम का आयोजन किया ग वहीं थाना प्रभारी वीरेश कुश एवं उपनिरीक्षक संतोष आरक्षक विष्णु जाट शाकिर खा द्वारा स्कूल स्टाफ रवि गौड़, धाकड़, रवि सिकरवार, स गोयनर, लक्ष्मी वर्मा, अंजली ध सहित अन्य स्टाफ एवं छात्र-छा को आम नागरिक नशामुक्त ज जीने और दूसरों को भी इसके प्रेरित करने की शपथ दिलाई ग

शासकीय महाविद्यालय कैलारस में कॉलेज लेवल काउंसलिंग प्रारं

मुरैना,कांस। मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय कैलारस में सत्र 2025-26 के लिए कॉलेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) की प्रक्रिया 16 जुलाई 2025 से औपचारिक रूप से आरंभ की जा रही है। यह प्रक्रिया 31 जुलाई 2025 तक चलेगी। प्राचार्य डॉ. संतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि कॉलेज स्तर पर रिक्त सीटों के लिए विद्यार्थियों को मेरिट के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। समस्त अभ्यर्थियों को ऑनलाइन सीएलसी पोर्टल पर पंजीयन कर संबंधित महाविद्यालय का चयन करना आवश्यक होगा। प्रवेश प्रभारी श्री दर्शन गिरी गोस्वामी ने जानकारी दी कि विद्यार्थियों को प्रवेश प्राप्त करने हेतु अपने समस्त मूल दस्तावेजों के साथ महाविद्यालय में उपस्थित होना होगा। ऑनलाइन मेरिट लिस्ट के अनुसार चयनित विद्यार्थियों को प्रवेश की सूचना दी जाएगी, जिसके 24 घंटे के भीतर शुल्क जमा करना अनिवार्य होगा। कॉलेज चलो अभियान प्रभारी डॉ. प्रवीण कुमार लिटोरिया ने बताया कि शासकीय महाविद्यालय कैलारस में बीएससी प्रथम वर्ष में प्रवेश की कॉलेज लेवल काउंसलिंग 16 जुलाई से प्रारंभ हो रही है। महाविद्यालय में गणित, जीव विज्ञान एवं कंप्यूटर साइंस इन तीन संकाय से बी.एस.सी. उच्च शिक्षा के नियमानुसार करवाई जाती है। विद्यार्थी गणित, भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, कंप्यूटर साइंस, वनस्पति शास्त्र, जीव विज्ञान आदि विषय मेजर में चुनकर स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं। महाविद्यालय में शासन द्वारा संचालित विभिन्न छात्रवृति गांव की बेटी, मैधावी, संभल, प्रतिभा किरण, आवागमन भत्ता, पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति आदि शासन के नियमानुसार प्रदान की जाती हैं। अंचल के सभी विद्यार्थियों शासकीय महाविद्यालय कैलार स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश शासन की विभिन्न योजनाओं लाभ उठाना चाहिए। प्रवेश प्र 16 जुलाई से 31 जुलाई 2 तक चलेगी। केवल ऑन पोर्टल के माध्यम से आवेदन होंगे, समय-सीमा के बाद किस आवेदन पर विचार नहीं जाएगा। प्रवेश शुल्क का भु ऑनलाइन माध्यम से ही जाएगा। शासकीय महाविद्य कैलारस के समस्त इ विद्यार्थियों से अनुरोध है कि वे पर पंजीयन करें और दस्तावेज साथ उपस्थित होकर प्रवेश प्र को पूर्ण करें।

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के उपलक्ष्य में शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन संपन्न

सहकारी समितियाँ एक बेहतर दुनियाँ का निर्माण करतीं हैं थीम पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई

मुरैना,कांस। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के उपलक्ष्य में शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन जिसका उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सहकारी संगठनों की भूमिका को सशक्त करना और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में उन्हें एक सशक्त माध्यम बनाना है।कार्यक्रम का शुभारंभ संयुक्त आयुक्त सहकारिता सुश्री अनीता उइके द्वारा दीप प्रज्वलन से किया गया।इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता उप आयुक्त सहकारिता श्रीमती अनुभासूद ने की।इस अवसर पर सहकारी प्रशिक्षण संस्थान नौगांव के प्राचार्य श्री शिरीश पुरोहित, प्रशासक जिला सहकारी श्री भास्कर शर्मा, पूर्व प्रबंधक सहकारी श्री एसएन भदौरिया, प्रबंधक सहकारी श्री कमलेश पाठक, मुख्य प्रबंधक श्री बीएस जादौन, ऑडिट विभाग के श्री राकेश चौहान और पीजी कॉलेज के प्राचार्य श्री किशोर अरोड़ा सहित बड़ी संख्या में कॉलेज के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।कार्यक्रम में सहकारिता मॉडल को ग्रामीण विकास, कृषि विपणन, दुग्ध उत्पादन, महिला सशक्तिकरण एवं रोजगार सृजन जैसे क्षेत्रों में प्रभावी रूप से लागू करने पर चर्चा हुई।नए सहकारी उद्यमों की स्थापना एवं मौजूदा संस्थाओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ने के उपायों पर प्रकाश डाला गया।सहकारिता मंत्रालय की योजनाओं और लाभों की जानकारी साझा की गई, जिनका उद्देश्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करना है।मुख्य अतिथि सुश्री अनीता उइके ने अपने संबोधन में कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के बारे में छात्र अधिक से अधिक जागरूक हों, क्योंकि सहकारिता वर्तमान में रोजगार का सशक्त माध्यम है, आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहकारिता महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।उन्होंने कहा कि सहकारिता केवल एक आर्थिक ढाँचा नहीं है, बल्कि यह सामाजिक समरसता, भागीदारी और साझा समृद्धि का माध्यम है।कार्यक्रम की अध्यक्ष श्रीमती अनुभा सूद ने कहा कि %सहकारिता से समृद्धि% के माध्यम से हम आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार कर सकते हैं।छात्र भारत के भविष्य है, इस कार्यक्रम का उद्देश्य सहकारिता को जानना है। सहकारिता एक विचार है जिसमे एक व्यक्ति के मस्तिष्क में आए विचार से कई लोग जुड़ जाते है तो वह विचार सफल हो जाता है, यही सहकारिता है।कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर श्री दिलीप कटारे ने किया। सहकारिता वर्ष 2025 पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को निबंध थीम और उत्तरपुस्तिका प्रदान की।

मुरैना में बदमाशों का आतंक : दुकानदार पर हमला, फायरिंग और पथराव; CCTV में कैद वारदात

मुरैना,कांस। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के कब्रिस्तान रोड पर बदमाशों का आतंक एक बार फिर देखने को मिला है। बीती रात एक परचून दुकानदार पर आधा दर्जन से अधिक बदमाशों ने जानलेवा हमला कर दिया। बदमाशों ने मुफ्त में सामान न देने पर दुकान पर पथराव किया, कांच की बोतलें फेंकी और दहशत फैलाने के लिए हवा में फायरिंग भी की। यह पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जानकारी के अनुसार, जब दुकानदार ने बदमाशों को मुफ्त में सामान देने से मना किया, तो वे आग बबूला हो गए। उन्होंने तत्काल दुकान पर पथराव शुरू कर दिया और तोड़फोड़ की। इस दौरान बदमाशों ने कई कांच की बोतलें भी दुकान के भीतर फेंकी, जिससे दुकान में अफरा-तफरी मच गई। अपनी धौंस जमाने और इलाके में दहशत फैलाने के उद्देश्य से बदमाशों ने हवा में फायरिंग भी की। इस वारदात से इलाके में भय का माहौल है। पीड़ित दुकानदार ने तत्काल सिटी कोतवाली थाने में घटना की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुट गई है। स्थानीय निवासियों ने इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की है और पुलिस से इलाके में गश्त बढ़ाने व सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

PM-KISAN: छोटे किसान बाजारू उधार के सहारे किस्त न मिलने से बढ़ी चिंता

मुरैना,कांस। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN) की जून 2025 की किस्त न मिलने से छोटे किसान परेशानी में हैं। डेढ़-दो एकड़ के किसान, जो पहले इस योजना से खाद-बीज खरीदते थे, अब बाजार से ऊंचे ब्याज पर उधार लेने को मजबूर हैं। किसानों का कहना है कि फसल की करीब 95त्न आय इस उधारी में ही चली जाती है। बड़े किसानों की तरह उनके पास उपज भंडारण की क्षमता नहीं है। किसानों में यह भी चर्चा है कि क्या योजना बंद हो गई है, हालांकि सरकार ने कोई घोषणा नहीं की है। किसान मांग कर रहे हैं कि बोवनी से 15 दिन पहले ही अगली किस्त जारी की जाए। इस मुद्दे पर उपसंचालक कृषि से प्रतिक्रिया ली जानी चाहिए।

अमानक उर्वरक स्कंध का जिले में क्रय, विक्रय, भंडारण एवं स्थानान्तरण पर प्रतिबंध

मुरैना,कांस। उर्वरक गुण नियंत्रण आदेश 1985 की धारा 26 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना के निर्देश पर उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास एवं उर्वरक पंजीयन अधिकारी श्री एबी सड़ैया ने डीएमओ गोदाम मुरैना पर गुणवत्ता परीक्षण में अमानक उर्वरक पाया गया। इस पर उन्होंने अमानक उर्वरक स्कंध का जिले में क्रय, विक्रय, भंडारण एवं स्थानान्तरण पर प्रतिबंध लगाया है।

घास काटते में सर्प के काटने से युवक की मृ

जोरा। निकटवर्ती नरेला गां पास स्थित बाबू का पूरा में रहने एक युवक को घर के पास काटते समय सर्प के काटने से हो गई सूत्रों से मिली जानका अनुसार बाबू पुरा निवासी म सिंह गुर्जर अपने घर में 16 जु की सुबह 6:00 बजे के ल घास काट रहा था कि अचानक ने हाथ में युवक को काट लिय के काटने के बाद परिजन त इलाज के लिए अस्पताल भी ल परिजनों का कहना है कि सर्प बेहद जहरीला था जिससे काट थोड़ी देर बाद ही युवक की मृ गई युवक अपने पीछे चार ल एक लड़का छोड़ गया है।

उत्तराखंड के लौह स्तंभ पंडित विद्याराम उप्रेती का निधन

मुरैना,कांस। मध्य प्रदेश उत्तराखंड के कुमाऊनी उप्रेती ब्राह्मण समाज के एक प्रमुख व्यक्तित्व पंडित विद्याराम उप्रेती का 70 वर्ष की आयु में हृदय समस्या के कारण निधन हो गया। मुरैना में उनका अंतिम संस्कार किया गया। पंडित उप्रेती का परिवार उत्तराखंड से आकर मुरैना के कैथरी गांव में बसा था और उनके पूर्वज वैद्य थे। वे स्वयं एक निडर और साहसी व्यक्ति थे। चंबल में दस्यु समस्या के दौरान, तत्कालीन कलेक्टर श्री अरविंद जोशी ने उन्हें शस्त्र लाइसेंस दिए थे, और पुलिस अक्सर उन्हें अपनी जर्मन राइफल के साथ सर्चिंग के लिए साथ ले जाती थी। समाज हित में हमेशा तत्पर रहने वाले पंडित विद्याराम उप्रेती के निधन को कुमाऊनी ब्राह्मण समाज संगठन मध्यप्रदेश ने एक अपूरणीय क्षति बताया है।

शासकीय जीन फील्ड हायर सेकेंडरी स्कूल का एसडीएम ने किया औचक निरीक्षण

कक्षा में छात्र-छात्राओं की कम उपस्थिति पर जताई नाराजगी, पूरे विधालय परिषर में भरा है पानी, कक्ष भी क्षतिग्रस्त

सबलगढ़। 400 से अधिक विद्यार्थी और 20 से अधिक अध्यापकों वाले शासकीय जीन फील्ड हायर सेकेंडरी स्कूल का आज एसडीएम अरविंद माहौर ने करीब 12ः00 बजे औचक निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान पूरे ग्राउंड में कीचड़ और पानी मिला कक्षा में उपस्थित छात्र-छात्राओं की उपस्थिति बहुत कम मिली किसी कक्षा में आठ छात्र, किसी कक्षा में 62 में से 16 छात्र, तो किसी कक्षा में 10 छात्र मिले, कक्षाओं का निरीक्षण करने के उपरांत एसडीएम प्राचार्य कक्ष में पहुंचे वहां प्रत्येक शिक्षक से उन्होंने बात की विषय के बारे में जानकारी ली कौन सी कक्षा में क्या पढ़ाते हैं पूछा गया, तीन लैब असिस्टेंट यह नहीं बता पाए की लैब में बे क्या पढ़ाते हैं क्योंकि इस समय किसी भी शासकीय विद्यालय में लैब खोली ही नहीं जाती है लैब में ना कोई उपकरण है ना ही कोई रसायन है ना ही कोई पढ़ाने का सिस्टम है शासकीय विद्यालयों में विज्ञान लैब पूरी तरह खत्म हो चुकी है।

ऐसे में लैब असिस्टेंट क्या जवाब देते

लेब असिस्टेंट में से कोई क्लास में गणित पढ़ा रहा है ,कोई विज्ञान पढा रहा है तो कोई ऐसे भी सब्जेक्ट पढ़ा रहा है जो खुद नहीं पड़े जांच उपरांत एसडीएम ने प्राचार्य पी एल कश्यप को निर्देश दिए के वे पालक शिक्षक संघ की प्रत्येक माह विशेष बैठक बुलाए और उनको बच्चों को विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित करें एसडीएम ने यह भी बताया कि विद्यालयीन समय लगने वाली कोचिंग क्लासों के खिलाफ जांच उपरांत कार्रवाई की जाएगी ताकि विद्यालय में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति बढ़ सके खास बात यह रही कि एसडीएम माहौर ने शिक्षकों के पहनावे को लेकर भी कहा कि शिक्षक भी आइडियल होते हैं बच्चे उनसे प्रेरणा लेते हैं जैसे वह परिधान पहनेंगे जैसी स्थिति में विद्यालय आएंगे वैसा ही प्रभाव बच्चों पर पड़ेगा इसलिए आप अच्छे कपड़े पहन कर आया करें शूज़ पहन के आया करें स्लीपर चप्पल में आओगे अगर ओपन शर्ट में रहेंगे तो बच्चों पर भी क्या प्रभाव पड़ेगा विद्यालय की जर्जर स्थित को देखते हुए प्राचार्य को निर्देश दिये कि विद्यालय का जो भवन खराब है जो कमरा खराब है उसके डिस्मेंटल के लिए भी पत्र बनाएं और लोक निर्माण विभाग से उसका एस्टीमेट भी बनबाएं यहां यह बताना जरूरी है कि शहर के बीचो-बीच यह प्राचीन विद्यालय भवन करीब 75 वर्षों से अधिक पुराना है यह भवन कई जगह से क्षतिग्रस्त है छतों से पानी आता है फर्श नीचे की ओर धसक चुके हैं दरवाजे पुराने होने के कारण भी खराब हो चुके हैं कई जगह से प्लास्टर उखड़ चुका है खिड़कियां टूट चुकी है सात कक्ष हैं जिनमें 400 से अधिक विद्यार्थी दर्ज है और 20 से अधिक शिक्षक पदस्थ हैं जबकि विद्यालय भवन में केवल 7 क्लास रूम ही हैं वंही विद्यालय में कोई बाबू भी नहीं है अध्यापक ही लिपिक का कार्य कर रहे हैं ऐसे में बच्चों को कौन पढ़ायेगा जबकि विद्यालय के प्राचार्य द्वारा और शिक्षकों द्वारा बताया गया था कि प्रत्येक व्यक्ति क्लास लेता है अब यह कैसे संभव है कि केवल 7 कक्ष पढ़ने वाले 400 विद्यार्थी और 20 से अधिक टीचर एसडीएम माहौर द्वारा प्राचार्य से कहा गया कि पिछले सत्र में आपने क्या क्या कार्य विद्यालय में कराए हैं पूरी प्रमाणित जानकारी मेरे ऑफिस भिजवाएं एसडीएम अरविंद माहौर का कहना है कि विद्यालय में छात्रों की उपस्थिति बढ़ाने शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने और विद्यालय का ऐतिहासिक महत्व कायम रखने के लिए प्रयास किए जाएंगे भवन काफी पुराना है इसके बारे में उच्च स्तर पर चर्चा भी की जाएगी जरूरी कार्यों के लिए प्राचार्य को निर्देश दिए हैं।

महासुख का पुरा में युवक ने फांसी लगाकर जान दी, ग्वालियर दिन में लौटा था नेपाल सिंह तोमर, रात में पेड़ पर लटका मिला श

अम्बाह। नगर के पास स्थित महासुख का पुरा गांव में बुधवार रात एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान नेपाल सिंह तोमर के रूप में हुई है, जो बुधवार को ही ग्वालियर से वापस लौटा था। गांव की महिलाओं ने गुरुवार सुबह शौच के लिए जाते समय शव पेड़ से लटका देखा और शोर मचाया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर शव को नीचे उतरवाया और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। परिजनों के अनुसार नेपाल सिंह सामान्य रूप से व्यवहार कर रहा था, लेकिन आत्महत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मोबाइल कॉल डिटेल के आधार पर म की तहकीकात कर रही है।

आसान नदी में गिरा ट्रैक्टर, चालक सुरक्षित

मुरैना,कांस। मुरैना तहसील की विजौली पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम भटपुरा में उस समय एक बड़ा हादसा टल गया, जब आसान नदी पार करते समय एक ट्रैक्टर नदी में गिर गया। गनीमत रही कि ट्रैक्टर चालक इस दुर्घटना में बाल-बाल बच गया। ग्रामीणों ने बताया कि आसान नदी इस समय अपने पूरे उफान पर है और इसका जलस्तर लगभग 10 फीट ऊपर चल रहा है। नदी के इस तरह भर जाने से गांव में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न होने का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल मदद की गुहार लगाई है ताकि संभावित बाढ़ से निपटा जा सके और किसी भी तरह के बड़े नुकसान से बचा जा सके।

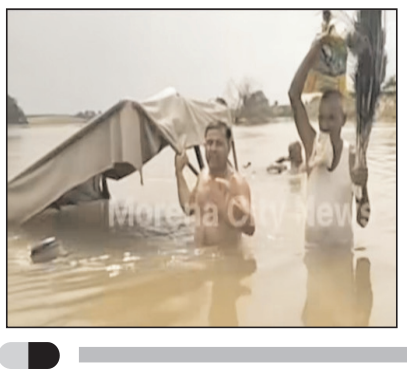

तोमर की पहल पर बानमोर में रुकेगी लक्ष्मीबा एक्सप्रेस, यात्रियों को मिलेगी बड़ी सुविधा

बानमोर। मुरैना-श्योपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद शिवमंगल सिंह तोमर की पहल पर अब लक्ष्मीबाई ऋषिकेश उज्जैन एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 14309/14318) का स्टॉपेज बानमोर रेलवे स्टेशन पर भी होगा। यह निर्णय रेल मंत्रालय द्वारा सांसद की मांग को स्वीकार करते हुए लिया गया है, जिससे क्षेत्र के हजारों यात्रियों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। सांसद शिवमंगल सिंह तोमर ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को 23 जून 2025 को पत्र क्रमांक MP/MORENA/2025/659 के माध्यम से बानमोर रेलवे स्टेशन पर कुछ ट्रेनों के स्टॉपेज की मांग की थी, जिसमें लक्ष्मीबाई ऋषिकेश उज्जैन एक्सप्रेस भी शामिल थी। उन्होंने अपने पत्र में क्षेत्र के निवासियों की लंबे समय से चली आ रही इस मांग पर विचार करने का अनुरोध किया था। रेल मंत्रालय ने सांसद की इस मांग पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पत्र क्रमांक No. Optg/Stoppage/Part-16A/NCR/2025 दिनांक 16 जुलाई 2025 को ट्रेन संख्या 14309/10 और 14317/18 के बानमोर में ठहराव को स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस संबंध में सांसद शिवमंगल तोमर ने रेल मंत्री अश्विनी वै का आभार व्यक्त करते हुए कि यह कदम क्षेत्रवासियों के आवागमन की दृष्टि से लाभ होगा। उन्होंने विश्वास जताया बानमोर में इस महत्वपूर्ण ट्रे ठहराव से स्थानीय ल व्यापारियों और छात्रों को रूप से लाभ मिलेगा। इस से बानमोर और आसपास क्षेत्रों के लोगों को उज्जैन ऋषिकेश जैसे महत्वपूर्ण धा एवं पर्यटन स्थलों तक पहुंच आसानी होगी, साथ ही स्थ अर्थव्यवस्था को भी ब मिलेगा।

श्योपुर की उभरती खेल प्रतिभाएँ, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर परचम लहरा रहे खिलाड़ी

भोपाल कांस

श्योपुर जिले की प्रतिभाएँ अब सीमित दायरे में नहीं, बल्कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पटल पर अपना लोहा मनवा रही हैं। खेल के क्षेत्र में लगातार नई ऊँचाइयों को छूते हुए श्योपुर जिले के खिलाड़ी जिले का नाम रोशन कर रहे हैं। हाल ही में दो खिलाड़ियों मिक्स मार्शल आर्ट में मोहम्मद हुसैन और कुश्ती में सुखमन कौर ने अपनी उपलब्धियों से पूरे जिले को गौरवान्वित किया है।

गत 12 और 13 जुलाई को दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय मिक्स मार्शल आर्ट चैंपियनशिप में श्योपुर के मोहम्मद हुसैन ने 65 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मैडल हासिल किया। देशभर के 18 राज्यों से आए प्रतिभागियों में हुसैन ने विभिन्न मुकाबलों में अपने प्रतिद्वंद्वियों को हराते हुए फाइनल में जगह बनाई और महाराष्ट्र के खिलाड़ी को पराजित कर स्वर्ण पदक जीता। मोहम्मद हुसैन ने बताया कि मिक्स मार्शल आर्ट एक तकनीक, ताकत और आंतरिक बल का खेल है और यह भारत में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

श्योपुर की बेटी सुखमन कौर ने अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का परचम लहराया। किर्गिस्तान में आयोजित एशियन अंडर-15 कुश्ती चैम्पियनशिप में उन्होंने मंगोलिया और कजाकिस्तान की खिलाड़ियों को 10-0 के अंतर से हराकर काँस्य पदक हासिल किया।

सुखमन की इस जीत पर श्योपुर कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में उनका स्वागत और सम्मान किया। साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कलेक्टर ने एकलव्य अवॉर्ड के लिए सुखमन कौर का नाम अनुशंसा करने के लिए खेल अधिकारी को निर्देशित किया। इसके अंतर्गत दो लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाती है।

सुखमन की यह उपलब्धि कोई पहली नहीं है। वर्ष 2022 से लेकर अब तक उन्होंने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कई स्वर्ण पदक जीते हैं। इसमें अंडर-14, अंडर-15 और अंडर-17 वर्ग की प्रतियोगिताएँ शामिल हैं।

श्योपुर जैसे सीमावर्ती जिले में इन प्रतिभाओं की सफलता यह दर्शाती है कि सीमित संसाधनों के बावजूद यदि संकल्प और समर्पण हो तो कोई भी मंज़िल दूर नहीं। मोहम्मद हुसैन और सुखमन कौर जैसे खिलाड़ी न केवल आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बन रहे हैं, बल्कि श्योपुर को खेलों की नई पहचान भी दिला रहे हैं।

सेवानिवृत्ति के सातवें दि पेंशन पेमेंट आदेश जारी

इन्दौर कांस

शासकीय सांदीपनि अहिल्याश्रम कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक- 2 से 30 जून 2025 को सेवानिवृत्त हुई शिक्षिका श्रीमती ज्योति मालवीय को सेवानिवृत्ति के सातवें दिन संभागीय पेंशन कार्यालय ने पेंशन अदायगी आदेश (पीपीओ) जारी कर दिया। विद्यालय के प्राचार्य श्री दीपक हलवे ने बताया कि श्रीमती मालवीय को उनके स्वत्वों क्रमशः जीपीएफ, बीमा, अर्जित अवकाश नगदीकरण सहित समस्त स्वत्वों का भुगतान उनके बैंक खाते में रिकार्ड अवधि में विद्यालय द्वारा जमा करवाया जा चुका है। विद्यालय से विगत एक वर्ष में सेवानिवृत्त शशिभूषण शुक्ला, श्री विजय श्रीमती मीना जैन, श्री गंगाप्रसाद प्र के समस्त स्वत्वों का भुगतान सम किया जाकर संकुल स्तर पर ए पेंशन प्रकरण लंबित नहीं है। इस कार्य को सुनियोजित तरीके से करने में विद्यालय के श्री धीरेन्द्र , श्री अखिलेश जोशी एवं सुश्री शर्मा की भूमिका सराहनीय रही।

'नशे से दूरी - है जरूरी' अभियान के तहत जन-जागरूकता रैली तथा जन संवाद का आयोजन

स्कूलों, कॉलेजों तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर किए गए आयोजन छात्र-छात्राओं तथा आमजनों के नशे के खिलाफ़ किया गया अवैयर

भोपाल कांस

पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार नशे से दूरी- है जरूरी अभियान के तहत आज को नगरीय पुलिस भोपाल के समस्त थाना क्षेत्रों में ज़न जागरूकता रैली एवं जन संवाद का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र छात्राएं, नगर रक्षा समिति तथा आमजन सम्मिलित रहे। संवाद के दौरान थाना प्रभारी एवं स्टॉफ द्वारा नशे से होने वाले दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। नशे के खिलाफ अभियान में सहभागिता देने तथा नशे से अपने परिवार रिश्तेदारों को जागरूक करने हेतु आमजनों को समझाइए दी गई, नारे लगाए गए, साथ ही नशे के खिलाफ शपथ दिलाई गई। अभियान के तहत बुधवार को थाना शाहजहांनाबाद क्षेत्र अंतर्गत खालसा हायर सेकन्ड्री स्कूल रामनगर स्कूल की प्राचार्या कवलजीत सिंह कौर एवं स्कूल के शिक्षक की उपस्थिति में सहायक पुलिस आयुक्त अनुभाग शाहजहाँनाबाद, भोपाल श्री अनिल बाजपेई, थाना प्रभारी उमेश पाल सिंह चौहान, उनि0.बाना सिंह पवार, प्र.आर.3135 राजेश भारती द्वारा नशा मुक्त अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें करीब 300 छात्र/छात्राये उपस्थित रहे है, कार्यक्रम के दौरान छात्र/छात्राओ/अन्य लोगो को नशे से दूरी है जरूरी के बारे में बताया गया तथा नशे से होने वाली समस्याओं से अवगत कराया गया है। उक्त अलभयान को छात्र/छात्रायो एवं शिक्षको द्वारा अभियान की सराहना की गई।

इसी क्रम में शासकीय माध्यमिक शाला पुरानी जाटखेड़ी मिसरोद में जागरूकता संबंधी व्याख्यान दिया गया बच्चों को रील एवं शॉर्ट फिल्म के माध्यम से जागरूक किया गया तथा बच्चों को नशे से दूरी बनाए रखने के लिए शपथ दिलाई गई। थाना छोला मंदिर क्षेत्र में जागृति स्कूल के बच्चों के साथ नशे के विरुद्ध जन जागृति अभियान चलाया गया। बच्चों को नशा मुक्ति मध्य प्रदेश बनाने की शपथ दिलाई गई, तथा परिवार में किसी को भी नशा नहीं करने हेतु समझाइश दी गई। नशे से दूरी है जरूरी के अभियान के मद्देनजर थाना अवधपुरी के शुभम सागर स्कूल से बच्चो को नशे से होने वाले दुष्परिणामों के बारे मे जानकारी देकर जागरूक किया गया। इसी क्रम में थाना स्टेशन बजरिया के विद्या भारती हायर सेकेंडरी स्कूल में छात्र - छात्राओं को मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा संचालित नशा मुक्ति अभियान के तहत शपथ दिलाई जाकर लघु फ़िल्म दिखाई जाकर जागरूक किया गया। थाना जहांगीराबाद के ब्रिलियण्ट कान्वेन्ट स्कूल मे नशामुक्ति अभियान के तहत व्याख्यान आयोजित किया। छात्रों को नशे के खिलाफ़ जागरूक किया गया एवं शपथ दिलाई गई। थाना मंगलवारा क्षेत्र में नशा मुक्ति अभियान के तहत आज रेलवे कॉलोनी स्कूल एवं बाल निकेतन स्कूल में जागरूकता अभियान चलाया गया तथा छात्र छात्राओं को नशे के दुष्प्रभाव के बारे में अवगत कराया गया तथा नशे से दूर रहने की सलाह दी गई।

थाना टीला पुलिस ने सेंट सेवियर कंवेंट स्कूल मे आज दिनाक 16/7/25 को थाना स्टॉफ द्वारा नशा मुक्ति अभियान के तहत बच्चो को जागरूक किया गया एवम समझाईश दी गयी की नशे से दूरी है जरूरी। इसी क्रम में थाना अशोका गार्डन की चौकी ओद्योगिक क्षेत्र मे नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशा मुक्ति के सम्बन्ध मे लोगो को जागरूक किया गया। इसी तरह आज दिनांक 16/ 7 /25 को थाना चुनाभट्टी क्षेत्र के केमपियन स्कूल में थाना चुना भट्टी से ह्द्व कमलेंद्र चौबे, ह्यद्व मनोज, महिला प्रधान आरक्षक चमेली पवार द्वारा नशा मुक्ति अभियान के तहत स्कूल में बालक बालिकाओं को फिल्म के माध्यम से नशा मुक्ति के बारे में जानकारी दी गई स्कूल के टीचर एवं स्कूल के 500 से 600 के लगभग बच्चे उपस्थित रहे। थाना अरेरा हिल्स क्षेत्र में 卐नशे से दूरी- है जरूरी卐 नशा मुक्ति जन जागृति अभियान के दूसरे दिन तात्या टोपे स्कूल पुराना जेल परिसर में थाना अरेरा हिल्स के उप निरीक्षक राजेश तिवारी एवं अन्य स्टॉप क्राइम ब्रांच के उप निरीक्षक गोविंद सिंह यादव व प्रिंसिपल सुनीता चक्रवती ने संयुक्त रूप से नशे से दूरी है जरूरी नशा मुक्ति जन जागृति अभियान के संबंध में बच्चों को नशा के बारे में जागरूक किया वह शपथ दिलाई गई व अरेरा हिल्स क्षेत्र व आसपास के लोगों को नशे से संबंधित जानकारी दी गई एवं जागरूक किया गया।

अभियान के अंतर्गत नगरीय पुलिस के समस्त थाना क्षेत्रों में नशे के दुष्परिणामों के प्रति जन-जागरूकता फैलाने हेतु विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे युवाओं को नशे से दूर रखना, नशा करने वालों को समझाइश देना तथा समाज में नशा उन्मूलन के प्रति एक मजबूत संदेश देना है। 15 दिवसीय अभियान के दौरान शैक्षणिक संस्थानों, बस्तियों एवं सार्वजनिक स्थानों पर जनसंवाद, पंपलेट वितरण, वीडियो प्रदर्शनी, पोस्टर प्रदर्शन जैसे माध्यमों से जागरूकता फैलाई जाएगी।

रोजगार की पढ़ाई चले आईटीआई आईटीआई चले अभियान

विदिशा

विदिशा जिले की समस्त शासकीय आईटीआई में प्रवेश सत्र 2025-26 हेतु प्रवेश प्रक्रिया चालू है। तृतीय चरण के प्रवेश हेतु विभाग द्वारा मेरिट लिस्ट जारी कर दी गई है। प्रवेश कार्य 16 जुलाई से 19 जुलाई 2025 तक जारी रहेंगे। आईटीआई के प्रभारी प्राचार्य श्री मनोज दुबे ने बताया की जिले की समस्त शासकीय आईटीआई में 35 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए अआरक्षित की गई है, जिससे बेटियों की आईटीआई के प्रति रुचि बढ़े एवं बेटियां भी कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार प्राप्त कर सकें। इच्छुक आवेदक विभाग की वेबसाइट https://mpiti-counseling.co.in पर जाकर पंजीयन एवं चॉइस फिलिंग कर सकते हैं। विदिशा जिले की सात शासकीय आईटीआई क्रमशः विदिशा, गंजबासौदा, सिरोंज, लटेरी, ग्यारसपुर, नटेरन, एवं कुरवाई में कुल ट्रेडों में 1204 सीटें उपलब्ध हैं। अधिक जानकारी हेतु शासकीय आईटीआई विदिशा के हेल्पडेस्क पर संपर्क कर सकते हैं। व्यवसाय वेल्डर, कारपेंटर, एवं सुईंग टेक्नॉलजी हेतु योग्यता 8वीं उत्तीर्ण है एवं शेष अन्य व्यवसायों हेतु योग्यता 10वीं उत्तीर्ण है।

उद्योगों के विस्तार एवं कार्य पद्धति में सुधार के लिए हुई कार्यशाला उद्योग विस्तार और नीतिगत लाभों पर हुआ मंथ

इन्दौर कांस

इंदौर में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विभाग द्वारा उद्योगों के विस्तार एवं कार्य पद्धति में सुधार को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राइजिंग एंड एक्सीलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस (RAMP) योजना के अंतर्गत लघु उद्योग भारती के सहयोग से वल्लभ नगर स्थित राघवम कैफे रेस्टोरेंट में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम विभाग के संयुक्त निदेशक श्री एस.एस. मंडलोई और जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक श्री स्वप्निल गर्ग मौजूद रहे। इनके साथ लघु उद्योग भारती के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री महेश गुप्ता, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्री शिवनारायण शर्मा, श्री विनीत जैन, एवं मालवांचल क्षेत्र के उपाध्यक्ष कन्हैयालाल खत्री सहित बड़ी संख लघु उद्योग भारती से जुड़े उ पदाधिकारी एवं महिला प्रति उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मैड्रिड म श्री बेनीतेज़ ने की सौजन्य भेंट

आपसी सहयोग और निवेश संभावनाओं पर हुई चर्चा

भोपाल कांस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चार दिवसीय आधिकारिक स्पेन प्रवास के पहले दिन मैड्रिड में स्पेन के विदेश मामलों, यूरोपीय संघ और सहयोग मंत्रालय के उप महानिदेशक (दक्षिण एशिया) श्री एमिलियो कोंत्रेरास बेनीतेज़ से सौजन्य भेंट की।

बैठक के दौरान भारत और स्पेन के मध्य आपसी सहयोग, निवेश संभावनाओं तथा विभिन्न क्षेत्रों में रणनीतिक भागीदारी पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं, निवेश-अनुकूल वातावरण, पर्यटन, कृषि, फार्मा, टेक्सटाइल, खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी।

श्री बेनीतेज़ ने मध्यप्रदेश साथ सहयोग को सकारात्मक रुख जताते हुए भ में आपसी हित के क्षेत्रों में साझे की संभावनाओं को आगे बढ़ा सहमति व्यक्त की।

म.प्र. में पीपीपी मोड पर फुटबाल एक्सीलेंस सेंटर, स्पोर्टस इन्फ्रास्ट्रक्चर और स्पेनिश कोचिंग आधारित प्रारंभ होंगे यूथ ट्रेनिंग प्रोग्राम : मुख्यमंत्री

मैड्रिड से मध्यप्रदेश तक खेल से खुली निवेश की नई राह

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया LaLiga मुख्यालय का भ्रमण

भोपाल कास

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपनी स्पेन यात्रा के पहले दिन की शुरूआत मैड्रिड स्थित विश्व प्रसिद्ध LaLiga मुख्यालय के भ्रमण से की और वरिष्ठ अधिकारियों से भेंट कर खेल, युवा सशक्तिकरण और निवेश सहयोग पर केंद्रित संवाद किया। उन्होंने कहा कि LaLiga की खेल विशेषज्ञता और वैश्विक पहुँच का लाभ मध्यप्रदेश के युवाओं तक पहुँचना चाहिए। यह यात्रा सिर्फ एक औपचारिक दौरा नहीं, बल्कि खेल के क्षेत्र में नवाचार, सामाजिक समावेशन और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी की दिशा में प्रदेश के दृढ़ संकल्प का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने LaLiga के पदाधिकारी और तकनीकी निदेशकों के समक्ष प्रस्ताव रखा कि मध्यप्रदेश में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) मॉडल पर फुटबॉल एक्सीलेंस सेंटर, स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेडेशन और स्पेनिश कोचिंग आधारित यूथ ट्रेनिंग प्रोग्राम प्रारंभ किए जाएँ। उन्होंने यह भी कहा कि LaLiga के साथ यह साझेदारी केवल खेलों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि यह प्रदेश में रोजगार सृजन, सामाजिक भागीदारी, अंतरराष्ट्रीय ब्रांडिंग और सांस्कृतिक पर्यटन को नई दिशा दे सकती है।

LaLiga मैचों में होगी म.प्र. की ब्रांडिंग

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुझाव दिया कि LaLiga मैचों के दौरान डिजिटल और ग्राउंड को-ब्रांडिंग अभियानों के माध्यम से मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विविधता, वन्यजीव, विरासत स्थलों और पर्यटन अवसरों का स्पेन और यूरोप के व्यापक दर्शकों के बीच प्रभावी प्रचार किया जा सकता है। इससे न केवल पर्यटन बल्कि स्पोर्ट्स टूरिज्म, फिटनेस, मीडिया ब्रॉडकास्टिंग और स्पोर्ट्स टेक जैसे सेक्टर्स में विदेशी निवेश आकर्षित करने की संभावनाएँ मजबूत होंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश की 18 सेक्टर-विशिष्ट औद्योगिक नीतियों और 'स्टार्ट योर बिजनेस इन 30 डेज़' जैसी दूरदर्शी पहलों का उल्लेख करते हुए LaLiga के साथ जुड़े वैश्विक निवेशकों को प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश अब भारत ही नहीं, बल्कि वैश्विक साझेदारियों के लिए एक भरोसेमंद और अनुकूल डेस्टिनेशन बनकर उभर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं के कौशल विकास, फुटबॉल अकैडमीज़ के ज़रिये प्रतिभा पहचान, और सामुदायिक भागीदारी जैसे क्षेत्रों में ख्रुद्धद्दड्ड की दीर्घकालिक विशेषज्ञता और भारत में उसकी सक्रियता की सराहना करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश इस सहयोग के माध्यम से खेल को सामाजिक विकास का सशक्त माध्यम बनाएगा।

LaLiga और मध्यप्रदेश: भविष्य के साझेदार

LaLiga, स्पेन की प्रमुख पेशेवर फुटबॉल लीग, न केवल स्पोर्टिंग उत्कृष्टता का प्रतीक है, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर युवाओं के लिए प्रशिक्षण, तकनीकी सहयोग और ब्रांड विस्तार का भी एक प्रभावशाली मंच है। भारत में LaLiga की सक्रियता, विशेषकर LaLiga Football Schools जैसी पहल, यह दर्शाती हैं कि स्पेनिश फुटबॉल का भारतीय युवाओं से गहरा संबंध बन चुका है। अब यह संबंध मध्यप्रदेश जैसे संभावनाशील राज्य के लिए नए अवसरों का द्वार खोल सकता है।

न्याय की भावना से ग्रामीण विकास क जिम्मेदारी उठाएं पंचायत प्रतिनिधि: श्री पटे

भोपाल कांस

पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि ग्रामीण विकास एक बड़ी जिम्मेदारी है, जिसे पंचायत प्रतिनिधियों को नियत और न्याय की भावना से स्वीकार करना होगा। मंत्री श्री पटेल धार में आयोजित पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री पटेल ने बताया कि सांसद रहते हुए उन्होंने सदैव कृषि और ग्रामीण विकास विषयक संसदीय समितियों में रहकर देश भर में इन विषयों को गहराई से समझने का प्रयास किया। प्रदेश में मंत्री के रूप में उन्हें इन नीतियों को लागू करने का अवसर मिला है। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि अपने क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों, वृक्षारोपण और योजनाओं का रिकॉर्ड पारदर्शिता से रखें।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान का आहवान

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश नदियों का मायका है, लेकिन जल संकट की आहट को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। जल संरक्षण के लिये वृक्षारोपण ही सबसे स्थायी उपाय है। उन्होंने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत व्यापक पौधारोपण का आहवान किया और कहा कि जो पौधा आप लगाते हैं, उसकी देखभाल भी आपकी व्यक्तिगत जवाबदेही है। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण अभियान 2025 में महिला स्व-सहायता समूहों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की गई है, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ महिला सशक्तिकरण और आजीविका संवर्धन को भी बल मिलेगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल ने कहा कि पुराने, जीर्ण-शीर्ण पंचायत भवनों को तोड़कर 48 लाख और 37 लाख रुपये की लागत से नए भवनों की मंजूरी दी गई है। कोई भी पंचायत अब भवन विहीन नहीं रहेगी।

धार जिले में इस वर्ष 81 पंचायत भवन और 85 पुलियों के निर्माण की स्वीकृति दी गई है। चौथे चरण की प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत मजरे-टोले को भी जोड़ा सकेगा, जिसके लिए राजस्व की शर्त हटा दी गई है।

केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री सवित्री ठाकुर ने कहा कि पंच प्रतिनिधि सरकार की योजनाओं गाँव-गाँव तक पहुँचाने का करें और प्रधानमंत्री के विक भारत के संकल्प को पूरा कर जुट जाएँ। सम्मेलन में अति द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने पंचायत प्रतिनिधियों को सम्म भी किया गया। सम्मेलन में पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह विधायक नीना वर्मा और कालू ठाकुर, पूर्व मंत्री राजवर्धन दत्तीगांव,नीलेश भारती एवं च पाटीदार ने भी अपने विचार कार्यक्रम में अधिकारी सहित संख्या में सरपंच व पंच उप रहे।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक, रामविलास शर्मा द्वारा पहल प्रिंटर्स प्लाट नं. 27 बांके सैंथिया टाउन मौजा ककुआ आगरा, उत्तरप्रदेश से मुद्रित व 192,मानस नगर शाहगंज बोदला रोड आगरा (उत्तरप्रदेश) से प्रकाशित। संपादक- रामविलास शर्मा मोबा.-9329077393
स्थानीय संपादक- संतोष शर्मा.मो.97202 02708, email-sandhyapahal@yahoo.com आर.एन.आई.पंजीयन क्रमांक UPHIN/2008/25338 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र मुरैना ही रहेगा।